ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 12 Issue No. 22 Faridabad (NCR) Saturday, 16-31 December 2023 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

जन अदालत में भाजपा की जीत के मंत्र बने 'मोदी की गारंटी' और 'मोदी है तो मुमकिन है'

साभार

देश के पांच राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पांच में से तीन राज्यों में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा ने राजस्थान व छत्तीसगढ़ राज्य कांग्रेस पार्टी से छीनकर के सरकार बनाने का कार्य किया है और मध्यप्रदेश राज्य को अपने पास बरकरार रखने कार्य बखूबी किया, वहीं तेलंगाना राज्य में भी भाजपा के वोट प्रतिशत में रिकार्ड वृद्धि हुई है। हालांकि इन तीनों राज्यों में मतदान से कुछ माह पूर्व तक आलम यह था कि वहां पर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती हुई नज़र आ रही थी। लेकिन चुनावी रणभूमि में जहां एक तरफ कांग्रेस पार्टी के चंद राजनेताओं ने जीती हुई बाजी को दिन-रात मेहनत करके पार्टी को हारने का काम बखूबी किया। वहीं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को भांप करके पूरे चुनाव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम के इर्द-गिर्द करते हुए 'मोदी की गारंटी' के दम पर हारी-बाजी को जीत में बदलने का काम किया है।

चुनाव परिणाम आने के बाद से ही भाजपा में जबरदस्त जश्न का माहौल जारी है, वहीं देश के अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों में बैठकों का दौर चल रहा है। लेकिन मुझे लगता नहीं यह सभी विपक्षी दल अभी भी विधानसभा चुनावों की हार का निष्पक्ष रूप से आंकलन करते हुए अपने-अपने गिरेबान में झांकने के लिए तैयार हैं, वह तो अभी भी अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ कर के अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने के मूड में नज़र आ रहे हैं। मोदी के विपक्ष में खड़े राजनीतिक दलों में से यह कोई भी दल समझने के लिए तैयार नहीं है कि अब उन्हें आत्ममंथन करने की जरूरत है। लेकिन वह आत्ममंथन की जगह ईवीएम को ढाल बनाकर उसके पीछे छिपने का कार्य कर रहे हैं।

हालांकि इन विधानसभा के चुनावों में जनता ने विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा के

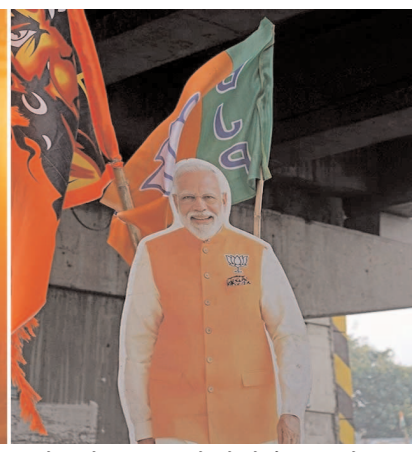

शीर्ष नेतृत्व, संघ व एनडीए गठबंधन के अन्य सहयोगियों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया है कि मोदी की गारंटी आज चुनावी जीत का सबसे कारगर मंत्र है, जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति, नियत, नेतृत्व व काम करने की शैली बेहद पसंद है।

वैसे देखा जाए तो प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के बहुत सारे ऐसे निर्णय हैं जोकि इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गए हैं, जनता को भी मोदी के निर्णय बेहद पसंद आते हैं, क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने लोगों के दशकों से इंतजार कर रहे बहुत सारे सपनों को अपने कार्यकाल में धरातल पर अमलीजामा पहना कर साकार करके दिखा दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने फैसलों से देश की दुनिया में तस्वीर बदलने व भारत के आम व खास जनमानस की तकदीर को बदलने का काम बखूबी किया है। उन्होंने अभी तक देश में सड़कों, हाइवे व एक्सप्रेसवे का जाल बिछाना, देश की सीमाओं पर सड़कों का जाल बिछाना, सेना को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करना, देश के अलग-अलग हिस्सों में एम्स हॉस्पिटल का निर्माण करना, देश के हर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय स्तर का मजबूत करना, बंदरगाहों व रेलवे का कायाकल्प करना, देश को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए नये हवाई अड्डे बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लोगों को बड़ी संख्या में घर उपलब्ध करवाना, जन-धन खाते खुलवाने, हर घर जल योजना, 'मेक इन इंडिया' अभियान की शुरुआत करना, स्वच्छ भारत अभियान चलाना, डिजिटल इंडिया की शुरुआत करना, देश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाना, काले धन पर अंकुश लगाने के लिए नोटबंदी लागू करना, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक विधेयक लाना, सीएए कानून लाना, जीएसटी लागू करना, कोरोना से बचाव के लिए देश में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाना, देश की बड़ी आबादी को मुफ्त राशन प्रदान करना, लोगों को मुफ्त इलाज प्रदान करने वाली आयुष्मान भारत योजना धरातल पर लागू करना, रेहड़ी पटरी वालो के लिए पीएम स्वनिधि योजना लाना, स्टार्टअप इंडिया योजना के माध्यम से देश के युवाओं के सपनों को साकार करते हुए विकास को गति देना, अग्निपथ योजना, चंद्रमा के साउथ पोल पर चंद्रयान को भेजना, G-20 सम्मेलन की मेज़बानी करना, विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना, महिला आरक्षण विधेयक आदि वह चंद ऐतिहासिक फैसले है जो कि हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज होकर के देश के एक बहुत बड़े वर्ग के लोगों के दिलो-दिमाग पर छा गये हैं। इन फैसलों के दम पर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज दुनिया में भारत की छवि मजबूत हुई है। जिसके चलते ही देश की जनता भी अब राष्ट्रहित में स्थिर, स्थायी और सेवाभाव से समर्पित सरकार के लिए जनादेश देना का कार्य कर रही है। लेकिन विपक्षी दल अब भी उत्तर-दक्षिण भारत का राग अलाप के नकारात्मक राजनीति करने में व्यस्त हैं। वहीं भाजपा में अबकी बार 400 पार सीट लाने की ठोस रणनीति बनाई जा रही हैं। वह मोदी की गारंटी व देश की बहुसंख्यक चार जाति गरीब, महिला, युवा और किसान की बात करके देश से जातिवादी राजनीति का सफाया करते हुए लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी बड़े पैमाने पर धरातल पर कर रही है।

वैसे भी आज देश में एक ऐसा बड़ा वर्ग है जिनका मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत तेजी के साथ अत्याधुनिक मजबूत भारत की नींव रखते हुए बुलंद इमारत बनाने का कार्य बखूबी कर रहे हैं, जिसके चलते ही देश और विदेश के निवेशकों को अब भारत मैं व्यापार के नये-नये अवसर दिखाई दे रहे हैं, जिससे ही देश की आर्थिक ताकत तेजी बढ रही है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस आर्थिक ताकत के दम देश की अर्थव्यवस्था को फाइव ट्रिलियन डॉलर की बनाने में जुटे हुए हैं, साथ ही मोदी अर्थव्यवस्था को केवल आंकड़ों तक सीमित ना रखकर के देशवासियों के रोजमर्रा के जीवन में धरातल पर आमूलचूल सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उपयोग कर रहे हैं, देश के आम जनमानस को उनके हितों के कार्य धरातल पर होते हुए नज़र आ रहे हैं, यही मोदी की गारंटी है और मोदी है तो मुमकिन है नारे का जनता की अदालत में वास्तविक अर्थ है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जनता का यह विश्वास ही भाजपा की जीत का मूल मंत्र है।

भारत में वनवासी मूल रूप में प्रभु श्रीराम की प्रतिमूर्ति ही नजर आते हैं

साभार

भारतीय संस्कृति पर पूर्व में भी इस प्रकार के हमले किए जाते रहे हैं। भारत में समाज को आपस में बांटने के कुत्सित प्रयास कोई नया नहीं हैं। एक बार तो रामायण एवं महाभारत आदि एतिहासिक ग्रंथों को भी अप्रामाणिक बनाने के कुत्सित प्रयास हो चुके हैं।

यह एक एतिहासिक तथ्य है कि प्रभु श्री राम ने लंका पर चढ़ाई करने के उद्देश्य से अपनी सेना वनवासियों एवं वानरों की सहायता से ही बनाई थी। केवट, छबरी, आदि के उद्धार सम्बंधी कहानियां तो हम सब जानते हैं। परंतु, जब वे 14 वर्षों के वनवास पर थे तो इतने लम्बे अर्से तक वनवास करते करते वे स्वयं भी एक तरह से वनवासी बन गए थे। इन 14 वर्षों के दौरान, वनवासियों ने ही प्रभु श्री राम की सेवा सुश्रुशा की थी एवं प्रभु श्री राम भी इनके स्नेह, प्रेम एवं श्रद्धा से बहुत अभिभूत थे। इसी तरह की कई कहानियां इतिहास के गर्भ में छिपी हैं। यह भी एक कटु सत्य है एवं इतिहास इसका गवाह है कि हमारे ऋषि मुनि भी वनवासियों के बीच रहकर ही तपस्या करते रहे हैं। अतः भारत में ऋषि, मुनि, अवतार पुरुष, आदि वनवासियों, जनजातीय समाज के अधिक निकट रहते आए हैं। इस प्रकार, हमारी परम्पराएं, मान्यताएं एवं सोच एक ही है। जनजातीय समाज भी भारत का अभिन्न एवं अति महत्वपूर्ण अंग है।

आज भी भारत में वनवासी मूल रूप में प्रभु श्री राम की प्रतिमूर्ति ही नजर आते हैं। दिल से एकदम सच्चे, धीर गम्भीर, भोले भाले होते हैं। यह प्रभु श्री राम की उन पर कृपा ही है कि वे आज भी सतयुग में कही गई बातों का पालन करते हैं। परंतु, कई बार ईसाई मशीनरियों एवं कुछ विकृत मानसिकता वाले लोगों द्वारा वनवासियों को उनके मूल स्वभाव से भटकाकर लोभी, लालची एवं रावण का वंशज बताया जाता है। रावण स्वयं तो वनवासी कभी रहे ही नहीं थे एवं वे श्रीलंका के एक बुद्धिमान राजा थे। इस बात का वर्णन जैन रामायण में भी मिलता है। अब प्रश्न यह उठता है कि जब रावण स्वयं एक ब्राह्मण था तो वह वंचित वर्ग का मसीहा या पूर्वज कैसे हो सकता है? जैन रामायण की तरह गोंडी रामायण भी रावण को पुलत्स वंशी ब्राह्मण मानती है, न कि आदिवासियों का पूर्वज, कुछ गोंड पुजारी रावण को अपना गुरु भाई भी मानते हैं, चूंकि पुलत्स ऋषि ने उनके पूर्वजों को भी दीक्षा दी थी। इस तरह के तथ्य भी इतिहास में मिलते हैं कि रावण अपने समय का एक बहुत बड़ा शिव भक्त एवं प्रकांड विद्वान था। रावण जब मृत्यु शैया पर लेटा था तब प्रभु श्री राम ने अपने छोटे भाई लक्ष्मण से कहा था कि रावण अब मृत्यु के निकट है एवं प्रकांड विद्वान है अतः उनसे उनके इस अंतिम समय में कुछ शिक्षा ले लो। तब लक्ष्मण रावण के सिर की तरफ खड़े होकर शिक्षा लेने पहुंचे थे तो लक्ष्मण को कहा गया था कि शिक्षा लेना है तो रावण के पैरों की तरफ आना होगा। तब लक्ष्मण, रावण के पैरों के पास आकर खड़े हुए तब जाकर रावण ने लक्ष्मण को अपने अंतिम समय में शिक्षा प्रदान की थी। अतः रावण अपने समय का एक प्रकांड पंडित था। भारतीय संस्कृति पर पूर्व में भी इस प्रकार के हमले किए जाते रहे हैं। भारत में समाज को आपस में बांटने के कुत्सित प्रयास कोई नया नहीं हैं। एक बार तो रामायण एवं महाभारत आदि एतिहासिक ग्रंथों को भी अप्रामाणिक बनाने के कुत्सित प्रयास हो चुके हैं।

इक्कीसवीं सदी में भव्य आकार लेती पुरातन अयोध्या

साभार

इस समय करीब 30 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। देश और विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने के लिए 15 नए होटल बन रहे हैं। साथ ही 32 होटल लाइसेंस पाने की प्रकिया पूरी कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य छोटे होटल रेस्टोरेंट गेस्ट हाउस, होम स्टे और धर्मशालाएं भी बन रही हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले सारे काम पूरे हो जाएंगे। राममंदिर के निर्माण के साथ जिस तरह से अयोध्या में देर भर के श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी है, उससे मंदिर ट्रस्ट और प्रशासन को अनुमान है कि अगले दो सालों में रोजाना डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचने लगेंगे। बाहर से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार में परिवर्तन की मुहिम –

छः साल पहले योगी सरकार आने के बाद अयोध्या की तस्वीर बदलनी शुरू हुई। फैजाबाद जिला और कमिश्नरी हेडक्वार्टर का नाम हटा कर अयोध्या को यह दर्जा दे दिया गया। साथ ही अयोध्या के नाम पर निगम और विकास प्राधिकरण के नाम बदल दिए गए। यहां तक कि केंद्र सरकार के संस्थान फैजाबाद रेलवे स्टेशन और फैजाबाद डाकघर के नाम भी अयोध्या कैंट और अयोध्या डाकघर कर दिए गए। बीजेपी की डबल इंजन की सरकार के दौरान अयोध्या परिवर्तन की मुहिम यहीं नहीं रुकी।

अयोध्या की बदल रही तस्वीर–

अयोध्या के भव्य राम मंदिर के निर्माण के साथ अयोध्या की तस्वीर बदल रही है। केंद्र की मोदी सरकार और यूपी की योगी सरकार दोनों के फोकस में अयोध्या है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर अयोध्या में 30,000 करोड़ से भी ज़्यादा के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू कर चुके हैं। जब से राम मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू हुआ है और एक अस्थाई स्थान पर रामलला की मूर्ति रखी गई है, तब से दर्शन करने वालों का तांता लगा हुआ है। अयोध्या को विश्वस्तरीय नगरी बनाने के काम के साथ पूरे पूर्वांचल का भी विकास हो रहा है। कुछ व्यापारी अव्यवस्थित हुए। उनका व्यापार प्रभावित हुआ फिर भी यहां के व्यापारी और नागरिक प्रसन्न है। दिन रात काम चल रहा है। नित नित नव अयोध्या का स्वरूप निखर रहा है। शहर में स्वच्छता बढ़ा है, गलियां साफ़ हैं। आए दिन प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आ रहे हैं, तो निश्चित रूप से उसका लाभ वहां के स्थानीय लोगों को मिल रहा है। हां बाहर के श्रद्धालुओं पर पाबंदियां जरूर खलती है। इक्कीसवीं सदी की नव अयोध्या रोज का रोज बदलती जा रही है।

परिवर्तन को तरस रही अयोध्या का द्रुत गति से विकास–

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त, 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी थी। देश का राजनीतिक परिदृश्य परिवर्तित कर देने वाली अयोध्या 500 साल से परिवर्तन को तरस रही थी। पीढ़ियों का संघर्ष अब मंदिर निर्माण के रूप में फलित हो रहा है। मात्र चार वर्ष में ही अयोध्या विकास के उस पथ पर अग्रसर है, जिसकी कल्पना मुदित करती है। संकरी गलियों के जाल से मुक्त राम लला के दरबार का विस्तार हो चुका है। कभी जेल नुमा रास्तों से राम लला के दरबार में पहुंचना पड़ता था। वर्तमान में 90 फीट चौड़ा आधुनिक सुविधाओं से युक्त पथ आस्था की राह सुगम कर रहा है। रामनगरी हर उस सुविधा से सुसज्जित हो रही है जो उसकी गरिमा के अनुकूल है। यहां के संत तो यहां तक कहते हैं कि अयोध्या का सुंदरीकरण या तो महाराज विक्रमादित्य ने कराया था, या फिर अब मोदी और योगी के युग में हो रहा है।

राम के आगमन जैसा उल्लास–

रामचरित मानस की यह पंक्ति यहां साकार रूप ले रही है-

अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल सोभा कै खानी।

लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम जब अयोध्या लौट रहे थे, तब उनके आगमन की खुशी में रामनगरी इस तरह सजाई गई कि शोभा की खान हो गई थी। 22 जनवरी को राम लला की नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा है। अयोध्या में इसका उल्लास भगवान राम के आगमन जैसा ही है।

जिस अयोध्या को कभी श्रीराम ने वैकुंठ से भी प्रिय बताया था, उसने विकास की वैसी प्रतीक्षा की है, जैसी उसने त्रेता में वनवास पर गए अपने राम के लिए की थी। सरकार के प्रयासों से रामनगरी को इस तरह सजाया और संवारा जा रहा है, जो निकट भविष्य में पूरी दुनिया को आकर्षित करेगी।

राम की भव्य पैड़ी–

गंदे नाले में तब्दील हो चुकी राम की पैड़ी को करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से सजाया गया है। यह अब आस्था के साथ पर्यटन का केंद्र बन चुकी है। यहां के पंपिंग स्टेशनों की क्षमता बढ़ाई गई है। हर शाम लेजर शो व लाइट एंड साउंड सिस्टम शो के जरिये रामकथा की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र होती है। रोज की शाम कुछ नया लुक दे रही है।

मठ-मंदिरों की भी आभा लौट रही है–

रामनगरी की समृद्ध स्थापत्यकला व प्राचीनता के गवाह मठ-मंदिरों की भी आभा लौट रही है। करीब 65 करोड़ की लागत से रामनगरी के 37 प्राचीन मंदिरों का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। अगले कुछ ही महीनों में ये मंदिर भक्तों को आकर्षित करते नजर आएंगे।

सौर ऊर्जा और पार्किंग में वृद्धि–

बदलती अयोध्या में रामनगरी की गलियों को भी चमकाया जा रहा है। 73 करोड़ की लागत से अयोध्या धाम के 15 वार्डों की गलियों को सौर ऊर्जा से जगमग करने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। अयोध्या में कौशलेश कुंज पर एक, टेढ़ी बाजार में दो मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां भक्त अपने चारपहिया व दो पहिया वाहन पार्क कर सकेंगे।

लता मंगेशकर चौक नए रूप में–

रामनगरी का नयाघाट चौराहा अब लता मंगेशकर चौक के नाम से प्रसिद्ध है। नयाघाट चौराहा पहले मात्र 30 फीट चौड़ा हुआ करता था। मेलों के दौरान यहां भीड़ नियंत्रण में पसीना छूट जाता था। वर्तमान में यह चौराहा 100 फीट चौड़ा हो चुका है। लता मंगेशकर की स्मृति में चौक पर स्थापित 40 फीट लंबी वीणा भक्तों को आकर्षित करती है। यहां हमेशा लता मंगेशकर के भजन गूंजते रहते हैं। हर कोई इसे अपने कैमरे में कैद कर रहा है।

रामकथा संग्रहालय की उपयोगिता बढ़ी–

नयाघाट स्थित रामकथा संग्रहालय वर्षों से निष्प्रयोज्य पड़ा था। अब इसे श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को समर्पित कर दिया गया है। ट्रस्ट इसका नए सिरे से सुंदरीकरण कराने जा रहा है। यहां मंदिर आंदोलन का इतिहास दर्शाया जाएगा। अन्य सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियां संचालित होंगी।

अंतरराष्ट्रीय रामायण वैदिक शोध संस्थान की रिमॉडलिंग–

अयोध्या शोध संस्थान का नाम भी सरकार ने बदल दिया है। अब अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के नाम से इसे जाना जाएगा। 17 करोड़ की लागत से इसकी

रिमॉडलिंग का काम चल रहा है। यहां भगवान राम से जुड़े साहित्य पर अध्ययन होंगे। रामलीला से जुड़े लोगों को रोजगार दिया जाएगा। संस्थान में विश्व के विभिन्न भाषाओं में रचित रामायण पर आधारित ग्रंथों, पुरातन परंपरा के वैदिक मंत्रों व इन पर लिखे गए विभिन्न टीकाओं पर अनुसंधान होगा। देश व विदेश के शोध छात्रों को जोड़ा जाएगा।

प्राचीन कुंडों की लौट रही गरिमा–

रामनगरी की पौराणिकता के गवाह प्राचीन कुंडों का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। इनमें से गणेश कुंड, हनुमानकुंड, स्वर्णखनि कुंड का अस्तित्व मिटने के कगार पर था। अब ये कुंड पर्यटन का केंद्र बन चुके हैं। सूर्यकुंड पर हर शाम लेजर शो देखने के लिए भीड़ उमड़ती है। इसी तरह दंतधावन कुंड, अग्निकुंड, खर्जुकुंड, विद्याकुंड की भी गरिमा लौट रही है। ये पर्यटन का केंद्र बन चुके हैं।

श्रीरामजन्म भूमि का श्रद्धा पथ सजा–

बिरला धर्मशाला वा सुग्रीव किले से श्रीराम जन्म भूमि मंदिर मार्ग तक .566 किमी का फोर लेन तैयार किया जा रहा है, जिसका नाम जन्म भूमि पथ रखा गया है। इसके निर्माण में जमीन खरीदने से लेकर अन्य निर्माण में 83.33 करोड़ का खर्च आ रहा है। राम भक्त अब अपने आराध्य का दर्शन जन्मभूमि पथ से कर सकेंगे। 90 फीट चौड़ा यह मार्ग आधुनिक सुविधाओं से सज्जित हो रहा है। मार्ग पर भव्य प्रवेश द्वार बन रहा है। यहां आधुनिक लाइटें लग रही हैं। मार्ग पर केनोपी का निर्माण हो रहा है। समस्त मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। पथ के दोनों किनारों पर रामकथा के प्रसंगों से सजी दीवारें आकर्षित करेंगी।

रामपथ पर फर्राटा भरती गाडियां–

सहादतगंज से नयाघाट तक 13 किलोमीटर के मार्ग को रामपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह मार्ग कभी 40 फीट चौड़ा हुआ करता था। अब 80 फीट हो गया है। इस मार्ग पर सोलर लाइट व सूर्य स्तंभ लगाए जा रहे हैं। मार्ग के डिवाइडर पर हरियाली विकसित की जा रही है। इलेक्ट्रिक बसों के लिए बस स्टॉप और पांच स्थानों पर ई-चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं।

धर्मपथ का कुछ अलग ही लुक–

लखनऊ- गोरखपुर हाईवे से अयोध्या में प्रवेश करते ही रामजन्मभूमि का अहसास होने लगता है। साकेत पेट्रोल पंप से लता मंगेश्कर चौक तक करीब दो किलोमीटर के रास्ते को धर्मपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। पहले यह मार्ग टूलेन था। अब फोरलेन हो चुका है। यहां 30 स्थानों पर सूर्य स्तंभ लगाए जा रहे हैं। धर्मपथ के दोनों ओर आठ-आठ मीटर पर दीवारों पर लिखे रामकथा के प्रसंग अयोध्या की महत्ता दर्शायेंगे।

सरयू नदी से लगा हुआ लक्ष्मण पथ–

लक्ष्मण पथ गुप्तारघाट से राजघाट 12 किमी की दूरी तक को जोड़ने के लिए भगवान राम के छोटे भाई और शेषावतार लक्ष्मण जी के नाम पर बनने वाले इस नये वैकल्पिक मार्ग निर्माण की भी पूरी कार्ययोजना तैयार है। यह पथ फोरलेन होगा। यह पथ उदया हरिश्चंद्र घाट तटबंध के समानांतर प्रस्तावित है। तटबंध की चौड़ाई पहले छह मीटर थी जिसे एक मीटर बढ़ाकर सात मीटर कर दिया गया है। इधर लक्ष्मण पथ की चौड़ाई 18 मीटर तय की गयी है। इसके निर्माण पर लगभग 200 करोड़ की लागत आएगी।

अंदरूनी मंदिरों को जोड़ने वाला भक्ति पथ –

श्रृंगारहाट से राममंदिर (500 मीटर) श्रृंगार हाट बैरियर से लेकर राम जन्मभूमि तक भक्ति पथ का निर्माण हो रहा है। श्रृंगारहाट से राम जन्मभूमि पर भक्तिपथ मार्ग पर निर्माण कार्य तेजी से पूरा होने वाला है। श्रृंगार हाट से श्री राम जन्म भूमि मंदिर मार्ग तक .742 किमी का फोर लेन तैयार किया जा रहा है। इसका मार्ग का नाम भक्ति पथ रखा गया है। इसके चौड़ीकरण के लिए जमीन खरीदने समेत अन्य निर्माण कार्य के लिए 62.79 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसके सापेक्ष 32.10 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। यह मार्ग 13 मीटर चौड़ा किया जा रहा है, जिसमें 5.50 मीटर चौड़ाई सीसी रोड की भी शामिल है। इसी मार्ग पर हनुमान गढ़ी, दशरथ महल, कनक भवन, अमावा मंदिर तथा अनेक प्राचीन मंदिर बने हुए हैं।

प्रस्तावित यात्रा/ भ्रमण पथ –

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में एक सड़क परियोजना, यात्रा पथ के निर्माण को मंजूरी दे दी है जो सरयू को राम मंदिर से जोड़ेगी। यह सड़क भक्तों को राम मंदिर तक पहुंचने के लिए अधिक प्रतीकात्मक मार्ग प्रदान करता है। भ्रमण पथ राम की पैड़ी, राजघाट से गुजरेगा और राम मंदिर तक पहुंचेगा। सरयू में शामिल होने के बाद, भक्त सड़क के इस हिस्से का उपयोग करके सीधे राम मंदिर तक पहुंचेंगे ।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम आखिरी चरण में–

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण भी शुरू करवाया गया जो अब पूरा होने जा रहा है। एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मुताबिक, दिसंबर 2023 से यहां से डोमेस्टिक उड़ानें शुरू हो रही हैं। कुछ के सिड्यूल भी आ गए हैं। कुछ की उड़ाने भी शुरू हो गई है। इसके अलावा अयोध्या से अन्य प्रदेशों और नगरों की कनेक्टिविटी बनाने के प्लान पर भी काम तेजी से चल रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए भी राज्य सरकार ने 351 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण किया है, जिसके निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही (दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के पहले सप्ताह में) आधारशिला रखने वाले हैं।

अयोध्या का भव्य रेलवे स्टेशन–

श्रीराम की नगरी अयोध्या का भव्य रेलवे स्टेशन देश का सबसे खूबसूरत और आधुनिक सुविधाओं से संपन्न रेलवे स्टेशनों में से एक हो गया है। अयोध्या रेलवे स्टेशन के विस्तार का काम 2018 में शुरू हुआ है। इसकी बिल्डिंग 10 हजार वर्गमीटर में फैली है। नया रेलवे स्टेशन भी आकार ले रहा है। पहले चरण में अयोध्या स्टेशन के विस्तार को लेकर रेलवे 240 करोड़ रुपये खर्च किया जा रहा है। इसमें खूबसूरत भवन, पार्किंग, कर्मचारियों के लिए आवास, रेलवे पुलिस के लिए कार्यालय, तीन नए प्लेटफार्मों का निर्माण, रोड निर्माण, ड्रेनेज संबंधी कार्य हो हो रहे हैं. अयोध्या रेलवे स्टेशन का काम 31 दिसंबर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। नए भवन में फिनिशिंग का काम चल रहा है। यहां बुजुर्गों और महिलाओं की सुविधा के लिए लिफ्ट व एस्केलेटर, एसी वेटिंग रूम, वॉशरूम, पेयजल बूथ, फूड प्लाजा समेत अन्य सुविधाएं तैयार हो चुकी हैं। पूरे भवन को एसी बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए रैंप की व्यवस्था होगी। स्टेशन करीब तीन किलोमीटर लंबा होगा। रेलवे स्टेशन के नए भवन का काम लगभग पूरा हो गया है। यहां लगी टाइल्स, पत्थर, शीशे, दरवाजे, लाइटिंग आदि इसकी भव्यता का एहसास कराते हैं। भवन के बीच में लगा भारी भरकम पंखा व ठीक उसके नीचे बनी फर्श की डिजाइन का आकर्षण यात्रियों का मन मोहने को तैयार है। स्टेशन का विशाल परिसर भी इसकी भव्यता का गवाह है। वंदे भारत ट्रेन अयोध्या से होकर लखनऊ तक चली है। इसके अलावा करीब आधा दर्जन नई ट्रेनें अयोध्या से होकर जाने लगी हैं। अयोध्या से रामेश्वरम के लिए भी ट्रेन चलाई गई है।

हाईवे पर बनेंगे भव्य गेट और नागरिक सुविधाएं–

अयोध्या की बदली तस्वीर दिखे, इसे ध्यान में रखकर पर्यटन विभाग अयोध्या को जोड़ने वाले सुल्तानपुर, बस्ती, गोंडा, अंबेडकरनगर और रायबरेली हाईवे गेट का निर्माण कर रहा है। जहां पर्यटकों पहुंचते ही प्रभु राम के वंशज और सेवकों के नाम के बने गेट स्वागत करेंगे। जिन पाइंट पर ये गेट बन रहे हैं उसे यात्रियों के सुविधा केंद्र के तौर विकसित करने की योजना है। मसलन सस्ते होटल धर्मशाला गेस्ट हाउस के अलावा पार्किंग, चार्जिंग स्टेशन और पेट्रोल पंप सब कुछ रहेगा वहां।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब

टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडने वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अतः जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडने का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडने में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और

> भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फ्रीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

मानव सेवा समिति द्वारा आयोजित निशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप में 89 लोगों ने कराई जांच

Faridabad/Alive News

सर्वोदय हॉस्पिटल सेक्टर 8 के सहयोग से मानव सेवा समिति ने पहली बार सुबह के समय रविवार 10 दिसंबर को उदय सिंह पार्क सेक्टर 10 में एक हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया। जिसमें 89 लोगों के कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन,ब्लड प्रेशर की निशुल्क जांच की गई। इस अवसर पर होप जिम सेक्टर 11 के जिम कॉर्डिनेटर विक्रम ने बच्चों,युवाओं, महिलाओं व बुजुर्गों को जुंबा सेशन व बॉलीवुड डांस के द्वारा योग कसरत व व्यायाम कराया। सर्वोदय हॉस्पिटल के कोऑर्डिनेटर विवेक शर्मा ने कहा है कि सुबह के समय पार्क में सैर करने वाले लोगों के लिए सर्वोदय हॉस्पिटल के द्वारा ऐसे कैंप आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, वरिष्ठ सदस्य मदनलाल मोदी, गोविंद वर्मा, सदाशिव सेठी, राज राठी,शिव कुमार वशिष्ठ मौजूद रहे।

इंस्पेक्टर ने साइबर फ्रॉड से बचाव के बारे में दी जानकारी

Faridabad/Alive News

इंस्पेक्टर सन्दीप ने अपनी टीम के साथ खेडी पुल एरिया में आमजन को नशे के दुष्परिणाम,महिला विरुद्ध अपराध, साइबर फ्रॉड व डायल 112 ऐप के संबंध में जागरूक किया है।

साइबर फ्रॉड-सीनियर सिटीजन सेल प्रभारी इंस्पेक्टर माया ने बताया कि आजकल टास्क पूरा करने के नाम पर, लोन दिलाने के नाम पर, अश्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड कर, इनाम दिलाने के नाम पर लालच, फेसबुक व्हाट्सएप या अन्य बहुत सारी सोशल साइट्स पर वीडियो कॉल स्कैम चल रहा है जिसमें कोई लड़का या लड़की आपको अश्लील वीडियो कॉल करने का ऑफर देते हैं। कुछ व्यक्ति इनके चंगुल में पूरी तरह फस जाते है और इनका शिकार हो जाते हैं। जिसके कारण काफी आर्थिक नुकसान होता है। इस प्रकार आजकल के युवा इन साइबर अपराधियों के झांसे में आ रहे हैं। अगर आपके साथ कोई साइबर फ्रॉड होता है तो गोल्डन ऑवर में तुरंत 1930 पर कॉल कर सूचना दे।

महिला विरुद्ध अपराध-सीनियर सिटीजन सेल प्रभारी इंस्पेक्टर माया ने महिलाओं को बताया कि अगर कोई व्यक्ति किसी औरत या लडकी का पीछा करता है तो इस के संबंध में तुरंत डायल 112 पर सूचना दे, सूचना के 5-10 मिनट में पुलिस टीम आपके पास पहुंच कर आपकी समस्या का समाधान करेगी। इसके साथ अगर घर पर आस पडोस में कोई व्यक्ति आपको परेशान करता है तो इसकी सूचना पुलिस को दे। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

नशे के दुष्परिणाम-थाना खेडी पुल प्रभारी ने आमजन को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी तथा हरियाणा पुलिस द्वारा तैयार की गई वीडियो को दिखाया गया। नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए आमजन को इसकी जानकारी पुलिस को देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 90508 91508 पर देकर पुलिस की मदद करने के लिए कहा। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

प्रशासन ने एनआईटी-5 मार्केट में विशेष कार्रवाई कर सड़क से हटाया अतिक्रमण

Faridabad/Alive News

यातायात पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर एनआईटी 5 नंबर व बल्लभगढ़ शहर की मार्केट में अतिक्रमण करने या रेहड़ी लगाकर सड़क पर जाम लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटवाया गया। बल्लभगढ़ शहर में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नगर निगम एसडीओ विनोद कुमार को नियुक्त किया गया जिनकी देखरेख में बल्लभगढ़ जोन के टीई इंस्पेक्टर महावीर व एनआईटी -5 नम्बर एरिया में जेई प्रवीन कुमार बैसला व एसडीओ राजेश शर्मा व ट्रैफिक इंस्पेक्टर विनोद कुमार, इंस्पेक्टर दर्पण कुमार व पुलिस टीम व एमसीएफ टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इसके लिए उपायुक्त द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई को पूरा किया। बल्लभगढ़ क्षेत्र की खट्टर मार्केट, अंबेडकर चौक तथा मैन बजार बल्लभगढ़, अग्रसेन चौक , अग्रवाल कॉलेज रोड तथा बल्लभगढ़ बस स्टैंड शामिल है तथा एनआईटी जोन में 5 नम्बर मार्केट से अतिक्रमण हटवाया गया है। सड़कों पर दुकानदारों द्वारा सामान लगाकर या सड़कों पर रेहड़ी लगवाकर अतिक्रमण किया जाता है। दुकानों के सामने वाहन खड़ा करने या सड़क की जगह पर सामान रखने से सड़क का रास्ता संकरा हो जाता है जिसकी वजह से वहां पर वाहनों के आवागमन में परेशानी होती है। सड़क संकरी हो जाने की वजह से वाहन धीरे धीरे चलते हैं और उनके पीछे आने वाले वाहन रुक जाते हैं इसकी वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और यात्रियों को इसकी वजह से बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए आज प्रशासन द्वारा सड़कों से अतिक्रमण हटाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि दुकानदार सड़क पर सामान लगाकर अतिक्रमण न करें या जहां से अतिक्रमण हटा दिया गया है वहां पर दोबारा से समान न लगाएं अन्यथा उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। शहर में यातायात सुचारु रुप से चलता रहे और शहर मे जाम न लगे सभी थानों प्रबंधक को भी शहर में अतिक्रमण करने वालों पर नजर रखने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

आइडियल स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता और क्रिसमस कार्निवल का आयोजन

Faridabad/Alive News

अगवानपुर के आइडियल पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता और क्रिसमस कार्निवल का आयोजन किया। स्कूल प्रांगण में एथलेटिक्स गेम्स में स्कूल की सभी क्लास के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन के स्टॉल लगाए गए और जहां बच्चों के अपने माता-पिता के साथ इडली सांभर, मोमोज, स्टफ कुलचे, गोलगप्पे और कई अन्य वस्तुओं का आनंद लिया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता और क्रिसमस कार्निवल में वार्ड नंबर 26 की पूर्व पार्षद सोमलता भड़ाना, प्रो कबड्डी खिलाड़ी नितिन मावी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर स्कूल संस्थापक एवं अध्यक्ष फूलचंद भड़ाना, चेयरमैन राकेश भड़ाना, डायरेक्टर डॉ. सुदेश भड़ाना और प्रिंसिपल रीता खन्ना ने आए हुए अभिभावकों व अतिथियों का स्वागत किया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को स्कूल संस्थापक एवं अध्यक्ष फूलचंद भड़ाना, चेयरमैन राकेश भड़ाना, डायरेक्टर डॉ. सुदेश भड़ाना और अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के छात्रों को भी आमंत्रित किया गया था। अतिथि द्वारा मशाल जलाकर और हवा में गुब्बारे का गुच्छा छोड़ा विभिन्न खेलों का शुभारंभ किया गया। एथलेटिक्स गेम्स में मनोरंजक दौड़, रस्साकशी, ऊंची कूद आदि विभिन्न स्पर्धाओं का प्रदर्शन किया गया और उसके बाद कबड्डी का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल द्वारा वार्षिक रिपोर्ट पेश की गई। डायरेक्टर डॉ. सुदेश भड़ाना ने छात्रों को प्रेरित किया और चेयरमैन राकेश भड़ाना ने छात्रों से कहा कि उन्हें खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए।

कांस्टेबल विक्की ने गोल्ड मेडल जीत किया फरीदाबाद पुलिस का नाम रोशन

Faridabad/Alive News

झज्जर के गांव जसौर खेड़ी, फौजी सुंदर सिंह के घर में जन्मे विक्की हरियाणा पुलिस में बतौर सिपाही 2020 में भर्ती हुआ। जिसकी पहले तैनाती फरीदाबाद में हुई पिता से मिली प्रेरणा से देशभक्ति की भावना व खेलों के प्रति रुझान के चलते उन्होंने बॉक्सिंग में अपना अभ्यास शुरू किया। करनाल मधुबन में हुए ऑल इंडिया पुलिस गेम्स प्रतियोगिता में 92 किलो हैवीवेट बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा पुलिस का नाम रोशन किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया 'ऑल इंडिया पुलिस गेम्स' मधुबन में अक्टूबर माह में आयोजित हुए थे गेम्स की क्लोजिंग सेरेमनी में माननीय श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री हरियाणा मुख्य अतिथि थे। शत्रुजीत कपूर पुलिस महानिदेशक हरियाणा शहीद पुलिस के अन्य उच्च अधिकारी मौजूद रहे। बॉक्सर विकी के लगातार अभ्यास और कड़ी मेहनत की वजह से सीनियर नेशनल गेम्स में चुना गया।सीनियर नेशनल गेम्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक शिलांग में मेघालय में आयोजित हुई थी। जिसमें में विक्की ने ब्राउजं मेडल जीता इससे पहले हरियाणा पुलिस को वर्ष 2016 में कांस्य पदक जीता था। हरियाणा पुलिस से विक्की अकेला प्रतिभागी था। विक्की ने कोच रविंद्र व हैड कोच इंस्पेक्टर मीणा के मार्गदर्शन में गेम्स की लगातार तैयारी करता रहा है। कांस्टेबल विक्की की मेहनत और बेहतरीन प्रदर्शन के चलते अब नेशनल कैम्प गेम्स के लिए सिलेक्शन हो चूका।पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने कांस्टेबल विक्की को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा की अपना बेहतर प्रदर्शन जारी रखें और भविष्य में अगले स्तर पर भी मेडल जीतकर हरियाणा पुलिस का नाम रोशन करें।

जीवा स्कूल के छात्रों ने नृत्य प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

जीवा पब्लिक स्कूल में प्राइमरी कक्षा के छात्रों के लिए एक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के प्राइमरी कक्षा के अनेक छात्रों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। छात्रों ने भारत के विभिन्न प्रांतों की लोक संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जिसमें विशेष रूप से राजस्थानीए पहाड़ी ;कुमाऊँद्ध पंजाबी नृत्य शामिल रहेए इसके साथ साथ छात्रों ने शास्त्रीय नृत्य कला जैसे भरतनाट्यमए कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित सभी दर्शकों को अचंभित कर दिया। छात्रों ने विभिन्न राज्यों से संबंधित आकर्षक वेशभूषा में ही नृत्य किया। प्रतियोगिता शास्त्रीय नृत्यए अर्ध शास्त्रीय नृत्य एवं लोक संस्कृति पर आधारित रही एवं प्रतिभागियों ने बड़ी कुशलता से प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य था भारत देश के विभिन्न लोक नृत्यों व शास्त्रीय नृत्यों के बारे में सभी विद्यार्थियों को जानकारी देना। विभिन्न विषयों को देखते हुए कुछ छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया जिनके नाम इस प्रकार से हैरू कक्षा तीसरी से रिद्धि पुंडीर श्रेष्ठ प्रदर्शन अद्वैत चौहान श्रेष्ठ प्रदर्शन गौम्या राय सुंदर लय एवं ताल काव्या बिंद्रा श्रेष्ठ परिधान प्रेक्षा ठाकुर को प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कक्षा चौथी से अराध्या सिंह श्रेष्ठ प्रदर्शनए नव्या सुंदर ताल एवं लयए मनस्वी श्रेष्ठ प्रदर्शन निवृत्ती सिंह प्रभावशाली प्रदर्शन इन्नाया तंवर श्रेष्ठ परिधान कक्षा पांचवीं से रमनीत प्रभावशाली प्रदर्शन लावन्या मनराल श्रेष्ठ प्रदर्शन काव्या पंत सुंदर नृत्यकलाए अंजना राय श्रेष्ठ भाव.भंगिमाए अभीषा श्रेष्ठ परिधान नवदीप को श्रेष्ठ परिधान के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा कक्षा तीसरी के शिवानी लोहानी कक्षा की निहारिका एवं स्वास्तिका को पार्टिसिपेशन के लिए भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान उपाध्यक्ष चंद्रलता चौहान एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड श्रीमती मुक्ता सचदेव ने सभी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की एवं विजेता छात्रों को बधाई दी।

जीबी स्कूल में वार्षिक खेल दिवस आयोजित, प्रतिभावान खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

Faridabad/Alive News

गांव तिलपत के जीबी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 6 दिसंबर से 8 दिसंबर तक 'वार्षिक खेल दिवस' समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया गया। स्कूल के अध्यक्ष शिव कुमार ने खेलों का शुभारंभ करते हुए सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेल प्रदर्शन में भागीदारी के लिए शुभकामनाएं दी। प्रधानाचार्य रंजीत कुमार भारती ने खेलों का महत्व बताते हुए कहा कि खेलों से विद्यार्थी का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बिना हार जीत की परवाह किए खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। खेल अध्यापक डॉ. बलराज और मनोज कुमार के मार्गदर्शन में वॉलीबॉल, खो-खो और क्रिकेट टूर्नामेंट के साथ 100 मीटर दौड़, नींबू दौड़, बैलून दौड़ सहित अन्य खेलों का आयोजन किया गया। शिक्षा और प्रतिभा पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया। चेयरमैन

संस्थान के चारों हाउस के सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी लिया। वालीबाल और खो-खो प्रतियोगिताओं में रमन हाउस की टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की जबकि क्रिकेट प्रतियोगिता में शिवाजी हाउस की टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की जीबीपीएस शिक्षण संस्थान में मेडल शिव कुमार पाराशर, उपाध्यक्ष चिंतामणि और प्रधानाचार्य रंजीत कुमार भारती जी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में इसी तरह खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया।

गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में साइबर क्राइम के प्रति किया जागरुक

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल अजरौंदा में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के साइबर क्राइम, महिला विरुद्ध अपराध के संबंध में जागरुक करते हुए जानकारी प्रदान की। जागरुकता कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य पूनम तनेजा, तेजपाल, आनंद कुमार, दीप्ती डागर, प्रमादे, व समस्त स्टाफ वा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया है।

ट्रैफिक- इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने सड़क सुरक्षा यातायात नियमों के बारे में बताया कि रोड पर हमें सावधानी से चलना चाहिए। रोड को पार करते समय पहले अपने राइट देखना व फिर लेफ्ट देखने के बाद सावधानी से रोड पार करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि रोड पर सावधानी हटी दुर्घटना घटी। अपने बचाव में ही सबका बचाव है। रेड लाइट को कभी भी रेड सिग्नल पर पार नही करना चाहिए, ग्रीन होने पर ही रेड लाइट को पार करना चाहिए। इन सब सावधानी से सड़क दुर्घटना से बचने के लिए कई उपाय बताएं। अपने वाहन को हमेशा गति सीमा में ही ड्राइव करना चाहिए। अपनी लेन मे चलाएं तथा वाहन चलाते समय फोन का इस्तेमाल ना करे साथ ही वाहन में ऊंची आवाज में संगीत न बजाएं। गाड़ी चलाते समय स्वयं यातायात नियमों का पालन करे सावधानी बरतें और दूसरों का बचाव करें। गाड़ी के इंडिकेटर और

रिफ्लेक्टर टेप का प्रयोग करे। दुपहिया वाहन चालक हेलमेट का अवश्य प्रयोग करे। गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल अवश्य करें। अगर आपके सामने कोई दुर्घटना होती है तो डायल 112 पर तुरंत सूचना दे।

साइबर फ्रॉड-कम्यूनिटी पुलिसिंग प्रभारी एएसआई सुरेन्द्र ने बताया कि आजकल फेसबुक व्हाट्सएप या अन्य बहुत सारी सोशल साइट्स पर वीडियो कॉल स्कैम चल रहा है जिसमें कोई लड़का या लड़की आपको अश्लील वीडियो कॉल करने का ऑफर देते हैं। टास्क पूरा करने के नाम पर,लोन दिलाने के नाम पर, अश्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड कर, लालच में कुछ व्यक्ति इनके चंगुल में पूरी तरह फस जाता है और इन्हें बहुत सारे पैसे दे देता है इस प्रकार आजकल के युवा इन साइबर अपराधियों के झांसे में आ रहे हैं। अगर आपके साथ कोई साइबर फ्रॉड होता है तो तुरंत 1930 पर कॉल कर सूचना दे।

महिला विरुद्ध अपराध

छात्र-छात्राओं डायल 112 ऐप के बारे में जागरूक करते हुए स्कूल में पढ़ रहे छात्राओं को जागरूक करते हुए विद्यार्थियों बताया कि अगर कोई भी व्यक्ति उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है तो चुप रहकर इसे सहन करने की कोशिश ना करें क्योंकि यह आगे चलकर उनके शोषण का कारण बन सकता है। इसलिए इसके विरुद्ध एकजुट होकर लड़ाई लड़ें ताकि समाज में महिला सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके।

समयपुर के राजकीय स्कूल के भवन का होगा नवनिर्माण

Faridabad/Alive News

समयपुर गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भवन का पुनर्निर्माण करवाया जाएगा। स्कूल भवन के नवनिर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करवाकर मुख्यालय भिजवा दिया गया हैं। स्कूल भवन के निर्माण के लिए आवश्यक बजट को जल्द ही स्वीकृति भी दिला दी जाएंगी। यह बात विधायक नैना सिंह चौटाला ने बुधवार को गांव समसपुर के राजकीय विद्यालय का दौरा कर स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों से मुलाकात की। स्कूल भवन के निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत के सदस्यों व विद्यालय स्टाफ ने विधायक नैना चौटाला ने बताया की स्कूल भवन को कंडम घोषित करके तोड़ दिया गया था। परन्तु काफी समय बीत जाने के बाद भी स्कूल भवन के निर्माण को मंजूरी नहीं मिल पाई हैं। जिस कारण विद्यार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों ने स्कूल की अनेक समस्याओं से

विधायक नैना सिंह चौटाला को अवगत करवाया। पूर्व हल्का अध्यक्ष राजेश फोगाट समसपुर ने गांव वासियों की तरह से विधायक नैना सिंह चौटाला से स्कूल भवन के निर्माण के लिए आवश्यक बजट जल्द जारी करने की मांग की। विधायक नैना सिंह चौटाला ने उपस्थित स्कूल स्टाफ, विद्यार्थियों और गांव वासियों को जल्द से जल्द स्कूल भवन के नवनिर्माण के लिए बजट जारी करवाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर पुर्व हल्का अध्यक्ष राजेश फौगाट समसपुर, राजबीर फोगाट चेयरमैन, रामफल कादमा, भूप सिंह मांढी, ऋषिपाल उमरवास, रमन दुधवा, सत्येंद्र दातोली, शकुन्तला सांगवान इत्यादी उपस्थित थे।

स्टूडेंट्स का इंतजार हुआ खत्म, सीबीएसई ने जारी की 10वीं, 12वीं की डेट शीट

Faridabad/Alive News

सीबीएसई बोर्ड ने साल 2024 में होने वाले 10वीं और 12वीं की बोर्ड एग्जाम की डेटशीट जारी कर दी है। एग्जाम की डेट शीट जारी होने के बाद स्टुडेंट्स का इंतजार खत्म हो गया है। सीबीएसई के मुताबिक 10वीं और 12वीं के बोर्ड एग्जाम 15 फरवरी से शुरू होंगे। वहीं, 10वीं के पेपर 13 मार्च को खत्म होंगे और 12वीं के पेपर 2 अप्रैल को समाप्त होंगे।

12वीं बोर्ड का एग्जाम पैटर्न

12वीं बोर्ड के एग्जाम में अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स के पेपर 80 मार्क्स के होंगे, जबकि 20 मार्क्स इंटरनल टेस्ट के मिलेंगे। फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी का पेपर 70 मार्क्स का होगा और 30 नंबर का प्रैक्टिकल एग्जाम होगा। बाकी अन्य विषयों का पेपर 80 मार्क्स का होगा और 20 मार्क्स प्रोजेक्ट और असाइनमेंट के आधार पर दिए जाएंगे। सभी सवाल तीन घंटे में हल करने होंगे।

1 जनवरी से 15 फरवरी के बीच होंगे 10वीं-12वीं के प्रैक्टिकल एग्जाम

बोर्ड ने प्रैक्टिकल एग्जाम की डेट पहले ही रिलीज कर दी है। 10वीं और 12वीं दोनों ही क्लासेज के

प्रैक्टिकल एग्जाम 1 जनवरी से 15 फरवरी 2024 के बीच होने हैं। इस साल जुलाई 2023 में ही सीबीएसई ने नोटिफिकेशन जारी कर बता दिया था कि इस साल 10वीं-12वीं के बोर्ड एग्जाम करीब 55 दिनों तक चलेंगे। एग्जाम 15 फरवरी 2024 को शुरू होकर 10 अप्रैल, 2024 तक चलेंगे।

इसके अलावा सीबीएसई ने इस नोटिफिकेशन में यह भी कहा है कि किसी भी परीक्षा का आयोजन करने वाले सभी संगठनों से अनुरोध है कि वे बोर्ड परीक्षाओं के शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए अपनी परीक्षाओं की तारीखें तय करें। हालांकि, साल में दो बार बोर्ड एग्जाम होने पर कोई अपडेट नहीं। स्टूडेंट्स खुद ये तय करेंगे कि उन्हें बोर्ड एग्जाम एक बार देना है या दो बार।

2023 में 10वीं का पास परसेंटेज 93.12 रहा, 12वीं का 87.33-बता दें, कि 2023 में 10वीं के कुल 21,658,05 कैंडिडेट्स ने एग्जाम दिया था। इसमें से 93.12 प्रतिशत स्टूडेंट्स ने एग्जाम पास किया था। वहीं, कुल 16,80,256 स्टूडेंट्स ने 12वीं के बोर्ड एग्जाम के लिए रजिस्टर किया था और 16,60,511 ने एग्जाम दिया था। इनमें से 14,50,174 यानी 87.33 प्रतिशत स्टूडेंट्स ने एग्जाम पास किया।

सराय राजकीय विद्यालय में भाषण एवं संवाद प्रतियोगिता आयोजित

Faridabad/Alive News

श्रीमद्भगवद्गीता जयंती के अंतर्गत राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में श्रीमद्भगवद्गीता के संवाद, भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्रिंसिपल रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विद्यालय के धर्मपाल शास्त्री ने छात्राओं और छात्रों की विद्यालय स्तर की श्रीमद्भगवद्गीता की इन प्रतियोगिताओं का संचालन किया। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि विद्यालय में शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भाषण, श्लोकोच्चारण, संवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर, निबंध आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। विद्यालय के विद्यार्थी सभी गतिविधियों में प्रतिभागिता कर रहे हैं। श्रीमद्भागवत गीता हमारे जीवन का सार है, गीता जीवन दर्शन है। गीता हमें निष्काम कर्म करने के लिए प्रेरित करती हैं।

आज छात्र और छात्राओं ने संवाद, भाषण तथा प्रश्नोत्तरी में श्रीमद्भगवद्गीता की शिक्षाओं को जीवन शैली में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में हमारे जीवन की सभी समस्याओं का निदान निहित है। श्रीमद्भगवद्गीता जीवन दर्शन है तथा हमें आदर्श जीवन जीने के लिए मार्ग प्रशस्त करती है। श्रीमद्भगवद्गीता सदैव ही धर्म से अधिक जीवन के प्रति अपने दार्शनिक दृष्टिकोण को लेकर भारत में ही नहीं विदेशों में भी जनमानस का ध्यान अपनी और आकर्षित कर रही है। गीता विश्व के सबसे अधिक प्रेरणादाई ग्रंथो में अग्रणी है। मानव जीवन की विशेषता

मानव को प्राप्त बौद्धिक शक्ति है और भगवदगीता में निहित ज्ञान बौद्धिकता की उच्चतम अवस्था है। बुद्धि की सीमाओं के परे मनुष्य क्या अनुभव कर सकता है श्रीमद्भगवद्गीता हमें यह सब दर्शाती है। अतः हम सभी को दैनिक जीवन में निस्वार्थ भाव में कर्म करते रहना चाहिए। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा, पवन कुमार, अनिल कुमार, धर्मपाल शास्त्री, किरण बाला और राहुल रोहिल्ला ने इस अवसर पर संवाद में प्रथम स्थान पर नेहा, भाषण में प्रथम राहुल एवम प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान पर रहे सचिन, विद्या व रवि का हार्दिक अभिनंदन किया।

क्राउड फंडिंग :नए जमाने में पुराना फण्डा...

तिलक राज शर्मा
संपादक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी क्राउड फंडिंग अभियान में दान दिया। दान देने के बाद राहुल ने कहा कि प्रगतिशील भारत के लिए यह उनका योगदान है। इसी के साथ उन्होंने लोगों से भी अभियान का हिस्सा बनने के लिए आग्रह किया है। गांधी ने अपने दान की राशि सार्वजनिक नहीं की। क्राउड फंडिंग से कांग्रेस को फंड और क्राउड दोनों हासिल करना है ।

क्राउड फंडिंग एक लोकप्रिय फंडा है । इससे जनता द्वारा सीधे नगद सहायता हासिल की जाती है। क्राउड फंडिंग सोशल मीडिया पर बहुत बाद में चलन में आया लेकिन ये फण्डा है बहुत पुराना । किसी बीमार की मदद से लेकर देश की आजादी के आंदोलन तक के लिए समझदार लोगों ने क्राउड फंडिंग का फामूर्ला अपनाया है । साल 2023 के अंत में देश की सबसे पुरानी लेकिन सबसे कमजोर पार्टी कांग्रेस ने क्राउड फंडिंग का अभियान आरम्भ किया है।

देश में अधिकांश राजनीतिक दल या तो जनता के पैसे से चलते हैं या उद्योगपतियों के पैसे से । राजनीतिक दलों को जो पैसा देता है वो ही इन दलों का नीति नियंता भी हो जाता है। इसलिए महात्मा गाँधी जैसे लोगों ने जनता से पैसा लेना ज्यादा ठीक समझा। कालांतर में राजनीतिक दलों को धन संग्रह की समस्या से निबटने के लिए चुनावी बॉण्ड प्रणाली अपनायी गयी। वर्ष 2017 में एक वित्त विधेयक के माध्यम से इसे वर्ष 2018 में लागू किया गय। चुनावी बॉण्ड दाता की गुमनामी बनाए रखते हुए पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान देने के लिये व्यक्तियों और संस्थाओं हेतु एक साधन के रूप में काम करते है। चुनावी बॉण्ड केवल वे राजनीतिक दल ले सकते हैं जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत हैं, या जिन्होंने पिछले आम चुनाव में लोकसभा या विधानसभा के लिये डाले गए वोटों में से कम-से-कम 1
फीसदी वोट हासिल किये हों।

चुनावी बॉण्ड के जरिये राजनितिक दलों ने खूब पैसा जमा किया। कांग्रेस समेत चार अन्य क्षेत्रीय दलों ने 1245 करोड़ रुपए जमा भी किये लेकिन सबसे ज्यादा पैसा सत्तारूढ़ भाजपा को मिला। चुनावी बांड पहली बार वर्ष 2018 में जारी हुआ और तब से लेकर अब तक 11 बार जारी किया जा चुका है इसमें बांड खरीदकर आप किसी भी सियासी दल को पैसा दे सकते हैं. इस बांड पर कोई ब्याज नहीं मिलता। धन संग्रह की ये योजना जल्द ही अदालती फेर में पड़ गयी। सुप्रीम कोर्ट इन दिनों मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली 05 न्यायाधीशों की संविधान

पीठ के जरिए राजनीतिक दलों के वित्तपोषण के लिए चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

इस बारे में अदालत चार याचिकाओं पर विचार करने वाली है. केंद्र सरकार की ओर से इस पर अपना पक्ष रखा गया है. 29 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सौंपे गए एक हलफनामे में, केंद्र सरकार ने चुनावी बांड योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं को संबोधित किया है। उन्होंने बताया कि अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने शीर्ष अदालत को बताया कि नागरिकों को चुनावी बांड के स्रोतों को जानने का सामान्य अधिकार नहीं है ।एक आधिकारिक आंकड़े के मुतबिक इलेक्टोरल बांड के जरिए अब तक 5851 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं। इस साल मई माह में 822 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बांड खरीदे गए। जनवरी से लेकर मई 2019 तक भारतीय स्टेट बैंक की विभिन्न शाखाओं के जरिये 4794 रुपये के बांड खरीदे गए. जबकि इससे पहले 2018 में 1000 रुपये की बांड खरीदी हुई थे। दस साल से सत्ता से दूर कांग्रेस इस समय धन की कमी से जूझ रही है । भाजपा ने चुनाव इतना मंहगा कर दिया है की अब कांग्रेस जैसी पार्टी के लिए उसका सामना कठिन हो गया है । विपक्ष में होने की वजह से उसे चन्दा भी नहीं मिल पा रहा है । कांग्रेस को चंदा देने की चाहत रखने वाले लोग ईडी और सीबीआई से डरने लगे हैं। ऐसे में साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने फंड जुटाने के लिए क्राउड फंडिंग अभियान शुरू किया है. कांग्रेस ने इसे डोनेट फॉर देश नाम दिया है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 1 लाख 38 हजार रुपये दान कर इस अभियान की शुरूआत की। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कोषाध्यक्ष अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 18 साल से ज्यादा उम्र का कोई भी व्यक्ति 138, 1380, 13800 या 1,38,000 रुपये का दान दे सकता है.

दरअसल कांग्रेस 138 साल की यात्रा का जश्न मना रही है. इसलिए लोगों से 138 के गुणांक में चंदा देने की अपील की गई है। कांग्रेस का ये अभियान महात्मा गांधी के ऐतिहासिक तिलक स्वराज फंड से प्रेरित है, जिसे 1920-21 में शुरू किया गया था। कांग्रेस के इस अभियान को लेकर भाजपा के पेट में मरोड़ हो रही है। भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस को घेरा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि जिन्होंने 60 साल तक देश को लूटा, वो अब उसी देश से चंदा मांग रहे हैं। कांग्रेस का ऑनलाइन क्राउड फंडिंग डोनेट फॉर देश,का मकसद एक बूथ के 10 घर तक दस्तक देने का है । राजस्थान में कांग्रेस की ओर से पिछले विधानसभा चुनाव 2018 से पहले क्राउड फंडिंग अभियान शुरू किया गया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी क्राउड फंडिंग अभियान में दान दिया। दान देने के बाद राहुल ने कहा कि प्रगतिशील भारत के लिए यह उनका योगदान है। इसी के साथ उन्होंने लोगों से भी अभियान का हिस्सा बनने के लिए आग्रह किया है। गांधी ने अपने दान की राशि सार्वजनिक नहीं की। क्राउड फंडिंग से कांग्रेस को फंड और क्राउड दोनों हासिल करना है । कांग्रेस को इस अभियान में कितनी कामयाबी मिलेगी कहा नहीं जा सकता ,क्योंकि इस समय देश तो राम नाम में डूबा हुआ है। राजनीतक दलों के पास जितनी राज्य सरकारें होतीं हैं उसे उतना ज्यादा पैसा मिलता ह। खुद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राज्य सरकारों को राजनितिक दलों का एटीएम बता चुके हैं। इस समय भाजपा के पास सबसे ज्यादा और कांग्रेस के पास सबसे कम एटीएम हैं। आम आदमी पार्टी भी दो एटीएम की मालिक है। लेकिन समाजवादी पार्टी और बहुजन समा पार्टी के पास कोई एटीएम नहीं है।

संपादकीय

निलंबन नहीं जवाब

सांसदों के निलंबन का सिलसिला जारी है। अब तक लोक सभा और राज्य सभा मिला कर कुल 141 सांसद निलंबित किए जा चुके हैं। यह सूची आगे भी बढ़ सकती है। इसलिए कि न तो सरकार अपनी तरफ से बयान दे कर विपक्ष की मांग पूरी करने जा रही है, और न विपक्ष इसके बगैर 'अनुशासित' होने को तैयार है। बात इतनी सी है कि विपक्ष 13 दिसम्बर को संसद हमले की बरसी पर फिर से इतिहास दोहराए जाने की मॉक कवायद पर सरकार से स्पष्टीकरण मांग रहा है। देखा जाए तो तनातनी संसद का स्थायी फेनोमेना बन गई है। सरकार, जो प्रचंड बहुमत में है और विधानसभाओं में भी जिसकी लहर चल रही है, की 'संसद में संवाद को लेकर बहुत कम चिंता दिखाई' देती है। इसे विपक्ष सरकार का 'अराजक आचरण' कहता है। जिस तरह 13 दिसम्बर की घटना के बाद से सरकार लोक सभा स्पीकर के बयान को काफी बता कर खुद बयान न देने पर आमादा दिखती है, उससे तो यही लगता है कि वह देश के साथ-साथ संसद को 'विपक्ष मुक्त' करना चाहती है। इसलिए कि संसदीय इतिहास का यह सबसे बड़ा निलंबन है। संसद संवाद का साकार विग्रह होती है, जो सत्ता एवं प्रतिपक्ष के सहमेल से संभव होती है। पर बहुमत की जिम्मेदारी इसमें सबसे अधिक मानी गई है। लेकिन जिस तरह से नियमित तौर पर क्रमिक निलंबन हो रहा है, उसमें इस जिम्मेदारी से पलायन ही दिखता है। यह तर्क सीमित मायने में ठीक हो सकता है कि लोक सभा अध्यक्ष ने जब कह दिया कि इसकी जांच की जा रही है तब विपक्ष को शांत हो जाना चाहिए। पर इससे सरकार की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती है। आखिर, विधायिका से कार्यपालिका से विच्छिन्न नहीं है। उसकी सुरक्षा भी सरकार से ही मिलती है। इस नाते अगर आंतरिक सुरक्षा के प्रभारी अमित शाह या फिर लोक सभा के नेता की हैसियत से नरेन्द्र मोदी ही दो लाइन का बयान दे देते तो संसद को इतनी निरंकुश होने की जरूरत नहीं होती। विपक्ष की मांग उनकी स्वाभाविक जवाबदेही के दायरे में ही है। जवाब टालते जाने से सरकार की हठधर्मिता जाहिर होती है। पिछली बार भी विपक्ष को इसके लिए ऐसे प्रावधान के तहत नोटिस देना पड़ा था, जिसमें प्रधानमंत्री को जवाब देने पर बाध्य होना पड़ा था। ऐसी नौबत न आने देने के लिए सरकार से संवाद बनाए रखने की अपेक्षा की गई है। सरकार ने प्रयास किए भी हैं, फिर भी नतीजे मिलने तक यह जारी रहनी चाहिए थी। बहुमत सत्ता की गारंटी के साथ संवाद का भी दायित्व है।

चिंतन-मनन

कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ऐसा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ऐसे ही काम करेगा।

मोदी राज में सब कुछ नया, जिस सीढी से चढ़े, वही हटा दी

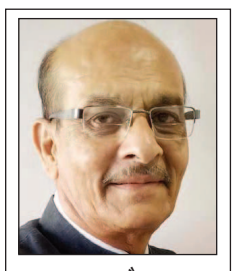

सनत जैन

भारत में सब कुछ नया-नया हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस सीढी से चढ़े। इस सीढी को सबसे पहले उन्होंने हटाया। ताकि लोग उनकी कुर्सी तक कभी नहीं पहुंच सके। इसमें वह पूर्ण रूप से सफल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपना स्वयं का एक नया इतिहास लिखते हैं। पुराने इतिहास और पुरानी परंपराओं में जीना शायद उन्होंने सीखा ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कहते हैं, कि उन्होंने कभी छोटा सोचा ही नहीं। वह हमेशा बड़ा ही सोचते हैं। उनके कार्यकाल में संसद की नई भव्य इमारत बनी। जब उसका उद्घाटन हुआ तो राजसी परंपरा के अनुसार सैंगोल स्थापित किया गया। नई संसद के पहले सत्र में ही महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया। जो पिछले कई दशकों से लंबित पड़ा हुआ था। भारतीय संसद का एक नया इतिहास, सांसदों को सबसे ज्यादा संख्या में निलंबित करने का बनाया। आगे पीछे के सभी रिकॉर्ड एक तरह से तोड़ दिए हैं। ना भूतो ना भविष्यति।

नई संसद में भाजपा के एक सांसद ने एक धर्म विशेष के आधार सांसद के ऊपर जो टिप्पणी की। वह उसके पहले ना कभी संसद में हुई थी, ना बाद में कभी होगी। संसद के दोनों सदनों का संचालन ऐसे हो रहा है। जैसा स्कूल और कॉलेज में उद्दंड छात्रों के लिए भी नहीं होता है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति एक हेड मास्टर की तरह सांसदों को अनुशासन में बांधकर रखना चाहते हैं। आसंदी द्वारा सांसदों से जिस तरीके से निर्देश दिए जाते है। उसमें विपक्षी सांसदों के लिए हेय भाव होता है। जो किसी को भी सुनने पर अपमानजनक लगता है। विपक्षी सांसदों को सदन के अंदर बोलने भी नहीं दिया जाता है। बार-बार हस्तक्षेप किया जाता है। विपक्षी सदस्य जब बोलते हैं तो सत्ता पक्ष हंगामा करने लगता है। ऐसा लगता है कि लोकसभा और राज्यसभा मे प्राइमरी स्तर की क्लासें लग रही हैं सांसदों के साथ हेड मास्टर के रूप में आसंदी द्वारा जो क्रूरतम व्यवहार हो सकता है, वह किया जा रहा है। 3 दिन में 141 से ज्यादा सांसद पूरे सत्र की अवधि के लिए निलंबित कर दिए गए। जो विधेयक संसद में पेश किया जा रहे हैं। वह अब ना तो प्रवर समिति को भेजे जाते हैं। नाही संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाते हैं। जिन बिलों में 15 से 16 घंटे चर्चा होनी होती है। उन बिलों को हो हल्ले के बीच में 5 से 10 मिनट में पास कर दिया जाता है। सांसदों को निलंबित करने की वजह भी बिलों को पास करना बताया जा रहा है। कैग की जिस रिपोर्ट के बल पर यह सरकार सत्ता में आई थी। 2014 के बाद से केग की रिपोर्ट पेश करने का पुराना सिस्टम भी लगभग लगभग खत्म कर दिया गया है। सरकार अब संसद में आंकड़े भी पेश नहीं करती है। रिपोर्ट के पुराने तरीकों को बदल दिया गया है। नए तरीके बना लिए गए हैं। आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। इलेक्ट्रोल बांड के जरिए चंदा जुटाया जा रहा है। उसका 80 से 90 फीसदी भाजपा को प्राप्त हो रहा है। लेकिन कौन चंदा दे रहा है। इसको सरकार द्वारा सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। मनी बिल के रूप में ऐसे बिल पेश किया जा रहे हैं। जो सांसद और संसद के अधिकारों को ही खत्म कर रहे हैं। बिना चर्चा के बिल बजट और अनुपूरक बजट पास हो रहे हैं। जो बिल पास कराये जाते हैं। उन्हें उसी दिन पेश किया जाता है। सांसद पढ़ भी नहीं पाते हैं। बिल पास हो जाते हैं। इसके पहले कभी नहीं हुआ था। भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थी। तब वह सदन के अंदर कैसे-कैसे धरने, विरोध प्रदर्शन, और सदन की कार्यवाही नहीं चलने देती थी। अब उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। सबसे लंबे समय तक विपक्ष में रहकर किस तरीके से सरकार के काम को बाधित किया जाता है। यह बीजेपी से अच्छा कोई नहीं जानता है। इसलिए जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो सबसे पहले विपक्ष की उसी सीढी को हटा दिया गया, जिसके कारण विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच में अब इतनी दूरी बन गई है, कि उसको पाटा नहीं जा सकता है। भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने बहुजन समाज पार्टी के सांसद को एक तरह से सदन के अंदर गाली ही दी थी। उसे पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जब सदन चल रहा होता था। तब परंपरा थी, कि सरकार जो भी बयान देती थी,वह सदन के अंदर देती थी। हाल ही में संसद के ऊपर आतंकी हमला हुआ। गृहमंत्री और प्रधानमंत्री सदन के बाहर बोल रहे हैं। संसद के अंदर नहीं बोल रहे हैं। विपक्ष सदन में व्यक्तव्य देने की मांग कर रहा है। लेकिन सरकार नहीं दे रही है। जिसके कारण विपक्ष विरोध कर रहा है। इस मांग के चलते 141 सांसदों का निष्कासन हो जाना, एक ऐसा इतिहास बन गया है। जिसे शायद भविष्य में भी ना तोड़ा जा सके। सरकार कह रही है, कि विपक्षी सांसद अपना आचरण सुधारें। जो कुछ कहना है,अपनी सीट से कहें आसन्दी सदन की कार्यवाही दिखाना चाहेगी तो दिखाएंगे,नहीं तो विपक्ष के लिए उसे भी ब्लैक आउट अर्थात सेंसर कर दिया जाएगा। विपक्ष के सांसदों को समझ नहीं आ रहा है,कि वह अपनी बात सरकार से किस तरह से कहें। मणिपुर में भारी हिंसा हुई थी। 5 माह से ज्यादा मणिपुर में हिंसा चल रही थी। सरकार उस पर भी चर्चा करने के लिए तैयार नहीं हुई। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह रही, कि अब आसन्दी भी सरकार की हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में विरोध प्रदर्शन करना अनुशासन हीनता और राष्ट्र द्रोह माना जाता है। इस सारी स्थितियों को देखते हुए यही कहा जा सकता है,नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से लेकर प्रधानमंत्री बनने के बाद तक जिस सीढी और जिस रास्ते में चलकर वह यहां तक पहुंचे हैं। उन सारे तोर तरीकों ओर रास्ते बंद कर दिए हैं। ताकि कोई उन्हें चुनौती न दे सके। विपक्ष के सामने अब और कोई रास्ता नहीं रहा। रही-सही कसर गोदी मीडिया और न्यायपालिका ने पूरी कर दी है। वह भी सरकार की गोदी में बैठकर सरकार जो चाहती है, वैसा ही आचरण कर रही है। जिसके कारण युवा उद्वेलित होकर संसद तक पहुंच गए। महंगाई और बेरोजगारी पर उनकी कोई बात सुन नहीं रहा था। मीडिया भी उनकी बात को नहीं सुन रहा था। उन्हें कहीं से जब न्याय नहीं मिला, तो वह भगत सिंह के रास्ते पर चलते हुए विद्रोह के रास्ते को चुनने के लिए विवश हुए। कुछ ऐसी ही स्थिति अब विपक्षी दलों की बन गई है। इंडिया गठबंधन के नाम पर सभी 28 राजनीतिक दल एकजुट होकर आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए विवश हो रहे हैं। अब देखना है, कि भविष्य के गर्त में क्या छिपा है।

उपलब्धि : सर्वाधिक पर्यटक आकर्षित कर रही काशी

डॉ.आर.के. सिन्हा

अगर कोई यह मानता है कि सबसे अधिक पर्यटक समुद्र के किनारे के तटों पर या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में सैर करने को आते हैं, तो उसे एक बार फिर से सोचना होगा। मतलब यह कि अब न तो सबसे अधिक पर्यटक गोवा आ रहे हैं, और न ही शिमला, नैनीताल या कश्मीर या हिमाचल के किसी अन्य हिल स्टेशन पर। सबसे ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने लगा है वाराणसी। आईसीआईसीआई के एक सर्वे से पता चला है कि 2022 में वाराणसी में 7.02 करोड़ पर्यटक पहुंचे। गोवा के हिस्से में आए मात्र 84 लाख के आसपास पर्यटक।

यूं तो वाराणसी में लगातार खूब पर्यटक पहले से ही आते थे पर 2015 के बाद तो स्थिति वाराणसी के पक्ष में पूरी तरह से पलट गई। इस लिहाज से गेमचेंजर साबित हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे (अब स्मृति शेष) का धर्म नगरी वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में 2015 में भाग लेना। पर्यटन क्षेत्र के जानकार कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री आबे के गंगा आरती में भाग लेने के बाद सारे देश में वाराणसी को लेकर नई तरह की सकारात्मक सोच विकसित होने लगी। इसी का नतीजा है कि वाराणसी में देश-दुनिया के पर्यटक पहले से अधिक संख्या में पहुंचने लगे। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के

मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह कॉरिडोर भव्य इमारत भर नहीं है, बल्कि हमारी आध्यात्मिक, परंपरा और गतिशीलता की प्रतीक है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के दौरान पुनर्वास का मुद्दा भी उठा था। विपक्ष लगातार इस बात को उठा रहा था कि आम लोगों को उजाड़ा जा रहा है लेकिन जिन 300 संपत्तियों का अधिग्रहण किया गया था उनसे जुड़े लोगों का पुनर्वास हो चुका है। भरपूर मुआवजा मिला, सो अलग। काशी में श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के अलावा पर्यटकों की सुविधा का भी खास ख्याल रखा जाता है। काशी की यात्रा करने वाला हरेक शख्स बौद्ध पर्यटक केंद्र सारनाथ तो जाता ही है। भगवान बुद्ध ने बोध गया में आत्मज्ञान प्राप्त करने के पश्चात पहला प्रवचन दिया था। जहां प्रवचन दिया था वहां पर धामेक स्तूप है। इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने 500 ईसवी में करवाया था। हालांकि, कोविड के कारण बौद्ध धर्म को मानने वाले देशों से काशी में उड़ानें नहीं आ रही हैं पर श्रीलंका, थाईलैंड़, दक्षिण कोरिया, जापान और शेष बौद्ध देश के नागरिक आने लगे हैं।

काशी से लेकर सारनाथ तक घूमते हुए रोज सैकड़ों विदेशी पर्यटक नजर आते हैं। जाहिर है, इनमें ज्यादातर बौद्ध देशों के ही होते हैं। इन सभी क्षेत्रों की देखरेख आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की तरफ से की जाती है। हम आम तौर पर सरकारी महकमों को उनकी काहिली के कारण कोसते हैं लेकिन इस जगह को एएसआई बेहतरीन तरीके से व्यवस्थित कर रही है। बीते सावन के दिनों में काशी भर गया था पर्यटकों से। आंकड़ों के मुताबिक सावन महीने में 2.5 से 3 लाख पर्यटकों का रोजाना काशी में आगमन हुआ। कहना न होगा कि बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने से काशी की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। काशी आने वाले सबसे ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन, घाटों की गंगा आरती करने, नमो घाट और सारनाथ का भ्रमण करने के लिए पहुंचते हैं। वाराणसी में अनेक प्रकार के फेस्टिवल और सांस्कृतिक कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

मुझे कुछ समय पहले ईस्ट अखेकी देश केन्या के मेरे मित्र स्टीफन मुंगा कह रहे थे कि वे अपनी आगामी भारत यात्रा के समय काशी जरूर जाना चाहेंगे। मैंने उनकी काशी के प्रति दिलचस्पी की वजह पूछी तो वह कहने लगे कि भारत को समझने के लिए काशी को देखना जरूरी लगता है। वैसे बाबा विश्वनाथ का दर्शन कौन नहीं करना चाहेगा? काशी ने गोवा, केरल और देश के बाकी प्रमुख पर्यटन स्थलों-राज्यों को पीछे छोड़ दिया है, पर्यटकों को अपनी तरफ खींचने के स्तर परङ्क लेकिन देश के पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी लोगों को अपने-अपने क्षेत्रों को विकसित करना होगा। भारत के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना लाभदायक होगा। बेशक, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद उत्तर प्रदेश का पर्यटन 10 गुना तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या में 30,000 करोड़ रुपये से आधारभूत सुविधाओं के विकास की परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। कुछ समय पहले देश भर के टूर ऑपरेटर्स की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि घरेलू पर्यटकों की पसंद के मामले में इस समय उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म के सभी बड़े केंद्र मौजूद हैं। जब अयोध्या में 2024 तक श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा तो वहां 10 से 50 गुना तक पर्यटन बढ़ने का अनुमान है। कृष्ण जन्मभूमि का कॉरिडोर तैयार होने पर यही हाल मथुरा-वृंदावन का भी होना है। अयोध्या हर सनातनी की आस्था का केंद्र है जहां भव्य मंदिर का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। राज्य में रामायण, कृष्ण और बौद्ध सर्किट को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के प्रयास युद्धस्तर पर चल रहे हैं।

मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत दिया जा रहा है वजीफा

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के युग में सरकार विद्यार्थियों को धनराशि से प्रोत्साहित कर रही है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग के जरिये दी लाभार्थी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन धनराशि दी जा रही है। डा. बी आर अम्बेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना के जरिये विद्यार्थियों को वजीफा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग हरियाणा, पंचकूला द्वारा चलाई जा रही डा बी आर अम्बेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना के वर्ष 2023-24 में छात्र/छात्राओं की छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन विभागीय पत्र वैबसाईट https://saralharyana.gov.in पर गत 01जुलाई2023 से 31जनवरी.2024 तक प्राप्त किये जा रहे हैं। डीसी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के युग में अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग, विमुक्त घुमन्तु, टपरीवास श्रेणी और अन्य वर्गो के छात्र/छात्राओं को सक्षम बनाने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान करना एवं मैट्रिक से स्नातकोत्तर कक्षाओं में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। जिनके लिये कुछ विवरण शर्तों का पालन किया जाना है। जिला कल्याण अधिकारी सरफराज खान ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अनुसूचित जाति के लिए छात्रवृत्ति की आधार परीक्षा कक्षा, आधार परीक्षा में दसवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक लेने पर प्राप्त अंकों की प्रतिशतता की छात्रवृत्ति राशि- 8000रुपये दी जाती है। वहींबारहवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 70 प्रतिशत लेने पर छात्रवृत्ति राशि- 8000- से 10000 रुपये तक दी जाती है। इसी प्रकार ग्रेजुएट के लिए शहरी क्षेत्रों में 65 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक लेने पर छात्रवृत्ति राशि- 9000 से 12000 रुपये तक छात्रवृत्ति दी जाती है। वहीं पिछड़ा वर्ग (ए0) जाति के लिए दसवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक लेने पर, पिछड़ा वर्ग (बी0) जाति के लिए दसवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों 75 प्रतिशत अंक लेने पर तथा सामान्य वर्ग जाति के लिए शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत अंक लेने पर छात्रवृत्ति राशि ङ्क 8000रुपये दी जाती है।

जिला कल्याण अधिकारी सरफराज खान ने आगे बताया कि इन योजनाओं के तहत छात्र/छात्रा द्वारा पास की गई पास की गई कक्षा की मार्कशीट, हरियाणा का स्थाई निवासी हो, जाति प्रमाण पत्र, फैमली आई0डी0 व आधार कार्ड, बैंक खाता, वर्तमान कक्षा का आई डी कार्ड तथा माता-पिता तथा अभिभावक की 04 लाख से कम का आय प्रमाण होना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये जिला कल्याण अधिकारी, कार्यालय कमरा न0 408-409, चौथी मंजिल लघु सचिवालय सेक्टर 12 में सम्पर्क करें।

सेन स्कूल में वार्षिकोत्सव की रही धूम

Faridabad/Alive News

जीवन नगर पार्ट-2 स्थित सेन पब्लिक स्कूल ब्रांच नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतापगढ़ डिस्पेंसरी के एमओ हेमंत शर्मा, संजय कॉलोनी चौकी से सब इंस्पेक्टर ललित कुमार मौजूद रहे। वार्षिकोत्सव में स्कूल की कक्षा एलकेजी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने जहां अपनी प्रस्तुति से लोगों का मनमोह लिया, वहीं नौवी कक्षा के विद्यार्थियों ने अपनी देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति से दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों को भावुक कर दिया। वार्षिकोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को स्कूल मैनेजमेंट की ओर से प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर डॉ अमनदीप सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य लड़कियों को सशक्त बनाना है। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सबसे ज्यादा लड़कियों को ही हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अलावा स्कूल की प्रिंसिपल डॉ गायत्री नंदा ने कहा कि विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास जरूरी है। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। विद्यार्थियों द्वारा दी गई सभी प्रस्तुतियां की सराहना भी की गई है। डायरेक्टर डॉ अमनदीप सिंह ने वार्षिकोत्सव में आए सभी अतिथियों का शॉल तथा पौधा भेट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल की इंचार्ज पलविंदर कौर ने सभी अतिथियों तथा अभिभावकों का स्वागत किया। इस अवसर पर एकेडमिक सेशन में दसवीं तथा 12वीं में 90त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट और मेडल पहनाकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के सभी विद्यार्थी तथा अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

जिले में चल रहे निजी प्ले स्कूलों का पंजीकरण शुरू

Faridabad/Alive News

जिला फरीदाबाद 15 दिसम्बर 2023 महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण किया जा रहा है।इसी कड़ी में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजू श्योराण ने विभाग की और से जिले में पहले निजी स्कूल बिष्णु किड्स जोन प्राइवेट प्ले स्कूल का पंजीकरण सर्टिफिकेट योगेंदर को प्रदान किया।डॉ. मंजू श्योराण ने बताया कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग व् महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी निजी प्ले स्कूलों को पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

बिना पंजीकरण चल रहे प्ले स्कूलों पर विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी । उन्होंने बताया कि प्ले स्कूल संचालको को गाइडलाइन के अनुसार आवेदन दूसरा तल लेबर कोर्ट सेक्टर 12 में जिला कार्यक्रम आधिकारी महिला एवं बाल विकास कार्यालय में किया जा सकता है।आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज जो wcdharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं सहित कार्यालय में बायहैण्ड सबमिट करना अनिवार्य है। प्ले स्कूल को कक्षा में 20 बच्चों पर एक अध्यापक और एक केयरटेकर रखना जरुरी है 7 स्कूल में विश्राम कक्ष, लड़के व लडकियों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली शौचालय जरुरी है। उन्होंने बताया कि खेलकूद गातिविधियों के लिए प्ले ग्राउंड व सीसीटीवी कैमरा होना भी अनिवार्य है।वर्तमान समय में विभाग द्वारा निजी प्ले स्कूलों के पंजीकरण के लिए किसी भी प्रकार की फ़ीस नहीं ली जा रही है। सभी निजी प्ले स्कूलों द्वारा पंजीकरण जल्द से जल्द करवाना आवश्यक हैं।

ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट में कनव ने हासिल किया दूसरा स्थान

Faridabad/Alive News

जिले के चार्मवुड विलेज स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल (एमआरआईएस) के छात्र कनव सलूजा ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली की ओर से आयोजित ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट (एआईएलईटी) में ऑल इंडिया दूसरी रैंक हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है। गुरुवार को परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद इस उपलब्धि के लिए स्कूल प्रबंधन ने छात्र और परिवार को बधाई दी।

एआईएलईटी देश में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण कानूनी प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसमें स्कूल के छात्र कनव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाया। स्कूल की ओर से प्रदान की गई उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रतिस्पर्धाओं के लिए छात्रों को तैयार करने के माहौल ने कनव को इस चुनौती के लिए तैयार किया। छात्र ने अपनी बेहतरीन अकादमिक उत्कृष्टता और समर्पण का परिचय देते हुए स्कूल का नाम चमकाया है। हमेशा से ही मेधावी रहे छात्र कनव ने शैणिक गतिविधियों के अलावा अन्य गतिविधियों और कई प्रतियोगिताओं में अपनी अनूठी प्रतिभा का परिचय

दिया है।

छात्र की इस उपलब्धि पर मानव रचना शैक्षणिक संस्थानों के उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला ने प्रसन्नता जताते हुए कहा, ÷कनव ने संस्थान के उत्कृष्टता के मानकों को ऊंचाई तक पहुंचाया है। हम छात्र की इस असाधारण उपलब्धि की सराहना करते हैं और उसे उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हैं। इस तरह की उपलब्धि छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के सामूहिक परिश्रम का परिणाम होती हैं।÷

इसके अलावा, हाल ही में घोषित कॉमन लॉ एंट्रेंस टेस्ट (सीएलएटी) के परिणाम में भी मानव रचना स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की ओर से आयोजित इस प्रतियोगी परीक्षा में एमआरआईएस, नोएडा से मान्या अग्रवाल ने ऑल इंडिया 35 और एमआरआईएस, सेक्टर 14 फरीदाबाद के तेजस सेठी ने ऑल इंडिया 145 रैंक हासिल की है।

छात्रों की शानदार सफलता पर प्रिंसिपल एमआरआईएस चार्मवुड दिवजोत कौर, निदेशक प्रिंसिपल, एमआरआईएस सेक्टर 14 फरीदाबाद ममता वाधवा और प्रिंसिपल, एमआरआईएस नोएडा निंदिया साकेत ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्रों की ये उपलब्धि दर्शाती है कि स्कूलों में गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों में छिपी प्रतिभा और कौशल का पता लगाने के लिए किस तरह माहौल तैयार किया गया है।

कुरुक्षेत्र क्रिकेट अकादमी ने नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी रिवाड़ी को 62 रन से हराया

Faridabad/Alive News

7वां ऑल इंडिया रविंद्र फागना यू-17 क्रिकेट टूर्नामेंट 2023-24 रविंदर फागना क्रिक्रेट भूमि ग्राउंड फरीदाबाद पर खेला गया, यह मैच कुरुक्षेत्र क्रिकेट अकादमी और नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी के बीच खेला गया। इस मैच मे कुरुक्षेत्र क्रिकेट अकादमी ने नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी को 62 रन से हराया, यह मैच 40 ओवर का था और नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी ने पहले टॉस जीतकर फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। कुरुक्षेत्र क्रिकेट अकादमी ने पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 279 रन का लक्ष्य दिया। कुरुक्षेत्र क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए हरमन जज ने 40 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 49 रन यशवर्धन ने 64 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए मिलन लेदर ने 6 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट, देव शर्मा, लक्ष्य सैनी और आयुष शर्मा ने 1/1 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी ने 38.4 ओवर में 10 विकेट खोकर 217 रन बनाकर हार गई। नेक्स्टर क्रिक्रेट अकादमी की ओर से मिलन लेदर ने 76 गेंदों पर 6 चौको और एक छक्के की मदद से 58 रन, प्रिंस कुमार ने 51 गेंदों पर 8 चौको और 2 छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। कुरुक्षेत्र क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए यश दहिया ने 6.4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट, अर्जून ने 3 ओवर 27 रन देकर 2 विकेट, आर्यन ठाकुर, अक्षत सिंह व लोकेश बेनिवाल ने 1/1 विकेट हासिल किया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच रिदम गुप्ता को घोषित किया गया।

तपेदिक के मरीजो को वितरण किया गया विशेष पोषाहार

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक के मरीजो को विशेष पोषाहार वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे मंजू बंसल, सामाजिक कार्यकर्ता ने शिरकत की। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन मे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री मंत्री का सपना है कि वर्ष 2025 तक भारतवर्ष को टीबी मुक्त बनाना है तथा सभी प्रधानमंत्री के सपने को सभी समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से ही पूर्ण किया जा सकता है अतः इस मुहिम को सार्थक करते हुए फरीदाबाद की स्वयंसेवी संस्था अहम भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर सचिव बिजेन्द्र सौरोत ने बताया कि तपेदिक की बीमारी बहुत ही खतरनाक बीमारी है, परन्तु लाइलाज नहीं है इस बीमारी से सफल इलाज यही है कि पौष्टिक आहार ले और समय-समय पर अपनी जांच कराए। उन्होंने बीमारी से बचाव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह रोग एक खतरनाक संक्रामक रोग है सही समय पर इसका इलाज नहीं होने पर यह जानलेवा हो सकती है। इसलिए अपने आप को इस बीमारी की चपेट में आने से बचाने के लिए आपको इसके बारे में पूरी जानकारी होना बहुत जरूरी है। जिससे आप खुद व अपने परिवार को इस जानलेवा रोग की चपेट में आने से बचा सकें।

कार्यक्रम संयोजक पुरषोत्तम सैनी व मधु भाटिया ज़िला तपेदिक समन्वयक ने तपेदिक की बीमारी से बचाव के बारे में बताते हुए कहा कि तपेदिक कि बीमारी पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में लहसुन कारगार होता

है, रोगाणुरोधी गुण से भरपूर लहसुन, प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बढ़ावा दे सकता है, पुदीने में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो तपेदिक से प्रभावित ऊतकों के उपचार में मददगार साबित हो सकते हैं इसी के साथ आंवला भी लेना चाहिए आंवले में जीवाणुरोधी गुण होते हैं। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुशिल, रामबरन यादव, रामकिशोर व् अन्य रेडक्रॉस स्टाफ ने पूर्ण सहयोग दिया।

गवर्नमेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने बनाए साइंस के विभिन्न मॉडल

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में साइंस के दैनिक जीवन में उपयोग से ले कर उन्नत टेक्नोलॉजी के विभिन्न मॉडल बना कर इनोवेटिव होने का परिचय दिया। विद्यालय की जेआरसी और ब्रिगेड सदस्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने सोलर एनर्जी, ऑटोमैटिक इलेक्ट्रिक क्रिज, ऑटोमेटिक डायलिसिस, ह्यूमन एनाटोमी आदि विभिन्न वर्किंग मॉडल्स को प्रदर्शित किया। रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने इनोवेशन का परिचय देते हुए सोलर एनर्जी के उन्नत प्रयोग पर आधारित मॉडल बना कर दिखाए। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा मनचंदा ने कहा कि जटिल मानव संरचना को भी सुंदर मॉडल के माध्यम से सरलता से समझाया। सराय ख्वाजा के विद्यार्थियों ने क्रिज का एक और मॉडल बनाया जिस में उन्होंने उचित उत्तर का बटन दबाने पर बजर और ग्रीन लाइट संकेत द्वारा अनुमोदन करने की विधि को बतलाया। इस आयोजन में विज्ञान के प्राध्यापक शिखा, प्रियंका गर्ग, सुनील कुमार, पूनम, मीनाक्षी सहित सभी प्राध्यापकों ने इनोवेटिव आइडियाज द्वारा साइंस के विभिन्न उपयोगी मॉडल बनवाने में विद्यार्थियों को निर्देशित किया। ये सभी विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से विद्यालय के अन्य छात्र छात्राओं में भी साइंस के प्रति उन्हें जागरूक करते हुए उन की रुचि को विकसित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्रों ने अन्य विषय पर भी मॉडल बनाकर दिखाए और उनकी कार्यप्रणाली के विषय में बतलाया। उन्होंने मॉडल

का अवलोकन कर रहे छात्र, छात्राओं और अध्यापकों द्वारा किए गए प्रश्नों का भी उत्तर दिया। प्राचार्य मनचंदा ने विद्यालय के छात्र और छात्राओं द्वारा की अच्छी तैयारी के लिए अध्यापिकाओं और समस्त विद्यालय परिवार की भी सराहना की और कहा कि आशा है भविष्य में यह विद्यालय, सभी अध्यापक, प्राध्यापक और विद्यार्थी पूर्व की अपेक्षा और भी बेहतर एवं उन्नत मॉडल्स द्वारा अपनी प्रतिभा दिखलाएंगे। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा, शिखा, प्रियंका गर्ग, अजय गर्ग सहित सभी प्राध्यापक अध्यापक वर्ग ने सभी विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए ब्लॉक लेवल साइंस एग्जीबिशन में अपनी क्षमताओं पर विश्वास कर अग्रणी रहने और सदैव श्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित किया।

मातृ शक्ति के विकास व उत्थान के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध-डीसी

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ पूरे देश भर में लगभग 3 करोड़ 32 लाख से अधिक माताओं बहनों को मिला है। मातृ शक्ति के विकास तथा नारी उत्थान के लिए केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की मनोहर सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। अब तक जिला महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिला फरीदाबाद की 40 हज़ार से ज्यादा माताओं व बहनों को इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ है।

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि माताओं व बहनों के गर्भ में पल रही हमारी आने वाली पीढ़ी स्वस्थ रहे। हमारी माताओं व बहनों को सही पोषण मिले, सरकार ने इस योजना के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है।इस योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ दिलाने के मामले में हमारे प्रदेश

को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। हरियाणा देश के कई राज्यों से आबादी के मामले में पीछे है परन्तु इसके बावजूद हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त होना प्रदेश सरकार व फील्ड पर काम कर रहे अधिकारीयों/कर्मचारियों, आशा तथा आंगनवाड़ी वर्करों की कुशल कार्य निति को दर्शाता है। केंद्र व प्रदेश सरकार पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी सामान अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभ उपलब्ध करा रही है।

महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी ग्रामीण डॉ मंजू श्योराण ने बताया कि किसी भी परिवार में पहली बार गर्भवती हुई महिला को अच्छा स्वास्थ्य और सही खान-पान देने के लिए सरकार द्वारा किस्तों में सहायता राशि उक्त योजना के तहत प्रदान की जाती है।पात्र महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। योजना के तहत कुल 5 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। पहली किश्त एक हजार रुपये की है। दूसरी किस्त 2 हजार रुपये की व तीसरी किश्त भी 2 हजार रुपये की निर्धारित की गई है। वहीं दूसरी संतान के रूप में बेटी पैदा होने पर 6000 रुपये की धनराशि का लाभ दिया जाता है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिला का किसी भी सरकारी स्वास्थ्य इकाई में 150 दिनों के भीतर पंजीकरण पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करवाने पर पहली किस्त का भुगतान किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कोर्डिनेटर विकल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसके साथ ही उक्त महिला के पास आवेदन प्रपत्र 1ए, एमसीपी कार्ड, पहचान प्रमाण पत्र, बैंक, पोस्ट ऑफिस अथवा अकाउंट पासबुक का होना भी जरूरी है।

सचिन मनचंदा फाउंडेशन ने गवर्नमेंट स्कूल में लगाए पौधे

Faridabad/Alive News

एनआईटी-3 के गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सचिन मनचंदा फाउंडेशन ने पौधरोपण किया। 'इको-संस्कृति' पहल के बैनर तले आयोजित इस अभियान में पौधे लगाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. परेश गुप्ता और वाइस प्रिंसिपल देवेंद्र छौकर सहित अन्य अध्यापकों के साथ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने पौधे लगाए। फाउंडेशन के फाउंडर सचिन मनचंदा ने बताया कि फाउंडेशन ने शुक्रवार को गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नीम, पीपल, गुलहड़, बरगद सहित अन्य पौधे लगाए। इसमें विद्यार्थियों, अध्यापकों के साथ स्कूल के स्टाफ ने उत्साह दिखाया। अभियान का उद्देश्य बच्चों के बीच पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना है। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. परेश गुप्ता ने सचिन मनचंदा फाउंडेशन और उसके पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और पौधों की देखभाल का आश्वासन दिया।

बदलाव यात्रा : डॉ. सुशील गुप्ता ने बदहाल हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था पर साधा निशाना

Faridabad/Alive News

आम आदमी पार्टी की 10 दिवसीय प्रदेश स्तरीय बदलाव यात्रा के तीसरे दिन रविवार को प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने ने कहा कि आम आदमी पार्टी की बदलाव यात्रा में अपार जनसमर्थन मिल रहा है। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। लोग अपने घरों से निकालकर आम आदमी पार्टी की बदलाव यात्रा में शामिल हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी को इस बदलाव यात्रा को प्रदेश के लोगों को भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने प्रदेश की बदहाल शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट ने भी फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि हरियाणा सरकार कागजों की बजाय जमीन पर काम करे। हाईकोर्ट ने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि चार कमरों के निजी स्कूलों के बाहर तो लाइन लगी रहती है और सरकारी स्कूलों में बच्चे नहीं है। उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार आंकड़ों से खेलने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में बिजली के कनेक्शन नहीं है। यहां तक बात सामने आई कि जिन स्कूलों में बिजली के कनेक्शन हैं वहां शिक्षक बच्चों से पैसा इकट्ठा कर बिल भरते हैं। प्रदेश के 1585 स्कूलों में शौचालय जिसमें से 550 स्कूल छात्राओं के हैं। उन्होंने कहा कि प्राइमरी और माध्यमिक स्कूलों में कुल मिलाकर स्कूलों में 71 हजार शिक्षकों के पद रिक्त हैं। खट्टर सरकार की प्राथमिकता में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि वहीं दूसरी तरफ दिल्ली में सरकारी स्कूलों पर शानदार काम हुआ है। पंजाब में सरकारी स्कूलों पर शानदार काम हो रहा है।पंजाब सरकार ने अपना

शिक्षा का बजट 340 परसेंट तक बढ़ा दिया है, वहीं हरियाणा सरकार ने शिक्षा का बजट 11.7 परसेंट घटा दिया। इससे साफ होता है कि हरियाणा सरकार की शिक्षा पर काम करने की मंशा ही नहीं है। हरियाणा सरकार ने बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है।

वहीं उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए इजराइल के साथ समझौता किया है, जोकि प्रदेश के 10 हजार युवाओं को युद्ध में झोंकना है। इसराइल और हमास में युद्ध जारी है और खट्टर सरकार को वहां रोजगार के अवसर नजर आ रहे हैं। इससे साबित होता है कि प्रदेश सरकार को हरियाणा के युवाओं के भविष्य और जीवन की कोई फिक्र नहीं है।

गुरु तेगबहादुर के शहीदी दिवस से यमुना बचाओ पदयात्रा का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

गांव से विधिवत रूप से यमुना पर हवन करके किया। धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सिखों के नौवें गुरु, 'हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर का आज शहीदी दिवस है। सबसे पहले यमुना पर हवन किया तथा यमुना आरती की। फिर यमुना नदी के किनारे पर पौधारोपण किया गया। उसके बाद की शुरुआत हुई। डॉ शिवसिंह रावत ने कहा कि आज यमुना का पानी ज़हरीला हो गया है। जिससे तरह-तरह की बीमारियां फैल रही हैं। इसलिए यमुना नदी को बचाने के लिए जन जागरण अभियान चलाया गया है। जल जंगल ज़मीन जीव जन्तु जीवन जलवायु को बचाने के लिए सभी का सहयोग ज़रूरी है । यात्रा का महावतपुर गाँव के सरपंच रवि चौहान एवं समस्त सरदारी ने स्वागत किया। सरपंच ने कहा कि उनके गांव के आसपास के गांवों में यमुना नदी केवल गंदा नाला बन कर बह रही है। यह पानी खेती के लिए नुक़सानदायक है। गांव के लोगों ने डॉ रावत की पहल की सराहना की।बाद में यात्रा राजपुर कला , सिडाक ,ताजपुर, अमीरपुर कबूलपुर, चीरसी गांवों से होती हुई मंझावली में पहुंची। गांव अमीपुर में सुभाष सरपंच ,छत्तर पाल चैयरमेन, संदीप पार्षद एवं समस्त सरदारी ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया और पूरा सहयोग का आश्वासन दिया। यात्रा में मानव रचना यूनिवर्सिटी के जल संसाधन विभाग से प्रो? मुखर्जी एवं उनकी अटल भूजल योजना की पूरी टीम यमुना यात्रा में शामिल रहे । यमुना बचाओ अभियान केबीसी संस्था पलवल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान को पर्यावरण संरक्षण गतिविधि तथा हमारा परिवार (एसजेएम) के मार्ग दर्शन में किया जा रहा है केबीसी संस्था के प्रधान ने बताया कल यात्रा मंझावली से शुरू होगी और घरौंडा दलेल गढ़ चांदपुर शाहजहांपुर फज्जूपुर

अरुआ होकर मोठूका में रुकेगी । यात्रा में महावतपुर से रवि चौहान सरपंच ,प्यारे लाल ,हरि गौतम ,राम किसन अंकित ,गौरव ;राजपुर कला से जितेंद्र सरपंच महेश चौहान ; सिडोला से अजीत सरपंच ; अमीपुर से सुभाष सरपंच , छत्तर पाल चेयरमैन ; कबूलपुर से अरुण खारी; चिरसी से प्रीति सरपंच, महावीर समस्त सरदारी एवं केबीसी संस्था के हुक्म सिंह, विक्रम एडवोकेट आदि।

Manav Sanskar School organized Picnic Day

Faridabad/Alive News

Manav Sanskar Public School organized a spirited picnic for its students, offering a refreshing escape from the classroom setting. The chosen destination for this memorable outing was the picturesque EOD Mayur Vihar in Delhi. Under the bright sunshine, students of Classes IV TO X and faculty alike embraced the opportunity to connect with nature and each other. Laughter echoed through the air as the school community enjoyed various adventurous activities. The sprawling greenery of EOD Mayur Vihar provided the perfect backdrop for recreational games, team-building exercises, and moments of relaxation. From friendly competitions to leisurely walks, the picnic offered a diverse range of experiences for everyone.The school's administration ensured a seamless event, prioritizing the safety and well-being of all participants. As students engaged in games and shared meals, the picnic became a melting pot of joy and unity. The Director Yogesh Sharma and the Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj expressed satisfaction with the successful execution of the event, emphasizing the importance of such outings in promoting a holistic learning environment. "Picnics like these contribute significantly to the overall development of our students. It's not just about academics; it's about creating memories and fostering a sense of community," remarked the Principal.

DAV School-49 orgnised State Level Handball Tournament

Faridabad/Alive News

Faridabad hosts DAV Sports State (Zonal) Level Handball Tournament (Boys and Girls) from December 15 to 77, 2023. The event witnessed the participation from various teams across different age categories, lncluding U-14, U-17, and U-19, representing DAV schools from Gurugram, Kurukshetra, Kaithal, Narnaul and Faridabad district on 15th December. The first day commenced with the solemn oath ceremony, where all participants pledged their commitment to fair play and companionship. The Principal of DAV Public School, Mr Rajan Gautam delivered a motivating address, inspiring the young players to give their best on the field. Throughout the day, the intense matches between various teams demonstrated exemp ary sportsmanship and team sp rit, creatlnB an atmosphere of hea thv competition promislng more the fll lng moments and display of skills in the days to come The organizing commlttee, along wlth the enthusiastic partic pants, ooks forward to more exciting moments in the remaining days of this sporting extrava Sanza.

A Double edged sword : Social Media in the School yard

Faridabad/Alive News

"Engage, Enlighten, Encourage and especially …….. just be yourself. Social Media is a community effort, everyone is an asset."

-Susan Cooper

As the educator at Dynasty International School, I witness first-hand the transformative power of education. Yet, in this age of ubiquitous screens, a potent force disrupts the learning landscape SOCIAL MEDIA. This double barreled gun, capable of immense good and devastating harm, demands our collective attention.

Its pros and cons are inevitable. Social Media unlocks a treasure trove of knowledge and connection. It fosters collaboration, ignites curiosity and empowers students to find their voices. Imagine vibrant online communities dedicated to astrophysics or poetry where young minds exchange ideas and build bridges across continents. Social Media can be a canvas for creativity, a platform for building entrepreneurs and a window into diverse cultures.

Though social media has created tremendous chances for sharing ideas and emotions, the kind of social support it provides might fail to meet students' emotional needs, or the alleged positive effects might be short-lasting. In recent years, several studies have been conducted to explore the potential effects of social media on students' affective traits, such as stress, anxiety, depression, and so on.

However, the other barrel of this gun fires a barrage of negativity. Cyber bullying, echo chambers of misinformation and the relentless pursuit of online validation can scar young minds. The curated highlight reels of Social Media distort reality, breeding insecurity and a gnawing sense of inadequacy. The constant ping of notifications, the dopamine rush of likes, can morph into unhealthy addictions, hijacking attention and eroding critical thinking skills.

Therefore navigating this digital terrain requires a discerning eye and a steady hand. As educators we must equip our shining stars with the digital literacy they need to harness the good & steer clear of the harm. This means responsible online behaviour, teaching critical source evaluation promoting healthy screen time habits.

Social Media is not inherently good or bad, just a powerful tool waiting to be wielded.

Mr. Nitin Verma
Principal
Dynasty International School, Faridabad

DAV School NH-3 echoed with the song "Jiggle Bell Jingle Bell"

Faridabad/Alive News

The Kindergarten of DAV NH-3, NIT celebrated Christmas with great ardour and zest on Friday in the school premises. The school wore a festive look with bells, streamers and a beautifully decorated Christmas tree. A special assembly was conducted wherein children were told about the birth of Lord Jesus and the Santa Claus.

It commenced with a short informative speech highlighting the importance of the Christmas eve which was delivered by Viraaj & Vrinda of grade 2 Several activities such as decorating Christmas Trees and Stockings, making Christmas Cards and Hand-crafted bells were organized for the students.

Little ones of classes Nursery to II tapped their feet & danced gracefully on the beat of Christmas songs "Jingle Bells" & "We wish you a Merry Christmas". The whole school echoed with the holy hymns recited by the students.

The dazzling entry of Santa Claus added to the joy and excitement of the students. The spirit of giving and sharing was inculcated among the tiny tots. Students also relished their favourite cakes and pastries which was indeed an icing on the top.

The boundless joy of celebrating the festival was amply visible on the faces of the children especially when Santa moved around distributing sweets & candies to them. All the teachers joined the students with the same enthusiasm, spreading the message of love and joy among the children.

At the end, the School Principal Ms. Jyoti Dahiya congratulated the DAVians and appreciated the efforts of students and also wished them Merry Christmas!! It was a joyous and amusing programme for everyone.

Free eye check up camp organized in DAV School-49

Faridabad/Alive News

Golden Lions Club Sukarma of District A-2 organized a free eye checkup camp on Tuesday at DAV Public School, Sainik Colony Sector 49. This is Organized under the guidance of GLS Neelam Khanna and School Chairman GLS Madhu Omcheri, the objective of the camp was to check the eyesight of the students and provide free spectacles to those who were found to have weak eyesight. A team of eye-doctors from AIIMS was brought by Sudhir Rakhyan who conducted a comprehensive eye checkup of the students of different classes as post Covid the screen time of the students has increased considerably. They examined the eyes of the students and gave valuable feedback and suggestions for the further line of action. The students were also apprised about the importance of prioritising eye health. At the end of the camp, a chocolate was given to the students. 900 students and staff benefitted from the eye check-up. The timely intervention of the school helped them to focus on their studies in a bettermanner. Next camp will be conducted soon by the Club in the school.

Faridabad Model School organized Kidzania trip for students

Faridabad/Alive News

Faridabad Model School organized a trip to KidZania, Noida for its Primary wing and to Wobble World, Faridabad for its Pre-Primary wing. The students were excited as they boarded the buses from school. KidZania provided real life experience to the primary wing students through role-play activities. By blending reality with entertainment, this space provided an authentic and powerful development platform where students explored and learned about real-world occupations. Students played the role of pilot, doctor, chef, firefighter and many other professions with full enthusiasm. Students learned how to deal with money in the real world. Furthermore, the visit enabled him to appreciate the contribution of every member of the society. Students also had a lot of fun on the dance floor with their friends. On the other hand, the pre-primary wing had a blast at the Wobble World indoor play area with rides, ball pool, giant trampoline, role play activities and delicious snacks. The trip strengthened the bonds between the children and was an encouraging experience for all the kindergartners. Full of excitement and enthusiasm, students returned to school with wonderful memories to share with their parents. Overall with so many adventure activities it was an exciting and interactive experience for the students.

Manav Sanskar School celebrated 13th Foundation Day

Faridabad/Alive News

Manav Sanskar Public School celebrated its 13th Foundation Day with an array of captivating events that left students and staff immersed in jubilation. The festivities unfolded seamlessly, offering a diverse blend of entertainment and tradition.

The stage came alive with a burst of talent as students showcased their prowess in singing, dancing, drama, and various other artistic expressions. The Talent Hunt competition brought forth hidden gems, leaving the audience in awe of the diverse talents within the school community.

Adrenaline and laughter echoed through the air as students engaged in friendly competition at the Games Corner. There were many tempting food stalls which attracted the crowd at the fullest Havan was also performed today at MSPS to energize young spiritual and intellectual conscience.

The sacred purifying ritual filled the school's ambience with pious aroma and positive energies. Amidst the chantings of mantras, sizzles & fumes from havankund, MSPS took blessings from the Almighty to pave the way for further success for all students. Event Incharges Ms. Manila Raj, Ms. Preet Gupta, Ms. Reena Gupta with all team added the glory of the day and made the event ever lasting in memories.

The director Mr. Yogesh Sharma and the Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj extended their heartfelt appreciation for the outstanding efforts of the students and the teachers in organizing and executing the 13th Foundation Day celebration. They further added that their dedication and creativity made the event truly memorable, reflecting positively on our institution.

JC Bose University organized colloquium to mark the Mathematics Day

Faridabad/Alive News

The Faculty of Sciences and Life Sciences at JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, in collaboration with the Research and Development Cell, organized a colloquium to mark the National Mathematics Day. The event, held to foster academic discourse and showcase the research accomplishments of doctoral students, brought together scholars, faculty, and researchers in an insightful exchange of ideas.The program commenced with a welcome address by Prof. Neetu Gupta, Dean of the Faculty of Sciences and Life Sciences, who encouraged students to share their ideas, rise their queries and learn from each other.

In a tribute to the renowned mathematical genius Srinivasa Ramanujan, Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar reflected on Ramanujan's unparalleled contributions to the field of mathematics. He lauded the Department of Mathematics for organizing such a meaningful event and commended scholars for utilizing the platform to discuss their ideas and research achievements.The program featured enlightening presentations by doctoral scholars, with Mr. Naveen from the Department of Mathematics delivering a lecture on the fundamental concepts of Quantum Computing, and Ms. Himanshi, a PhD scholar from the Department of Chemistry, shared her research on the utilization of TiO2 Nanoparticles-based nano-composites as a corrosion inhibitor. Concluding the session, Prof. Manisha Garg, Director of Research and Development, expressed gratitude to all the scholars for participating in the university's initiative to address scientific challenges faced by research scholars in their innovative endeavors. The colloquium was attended by Dr. Ravi Kumar, Incharge Chemistry and faculty coordinators Dr. Anurag Prakash, Dr. Suraj Goyal, and Dr. Deepansh Sharma. A total of 45 research scholars and faculty members were present at the event.

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार द्वारा सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

Faridabad/Alive News

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार, पंचकूला संरक्षण आयोग द्वारा एनआईटी फरीदाबाद के मेट्रो मोड़ स्थित राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सेफ्टी जागरूकता कार्य्रकम का आयोजन किया गया। जिसमे हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार, पंचकूला संरक्षण आयोग से मेंबर सुमन राणा व गणेश कुमार ने बताया कि स्कूल कैसे अपने बच्चो को सुरक्षित रख सकते है। हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार, पंचकूला संरक्षण आयोग द्वारा विस्तृत रूप से बताया कि स्कूल कैसे अपने बच्चों को सुरक्षित रख सकते है। स्कूल की छात्राओं को पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम बाल अधिकार व 112 पर काल की जानकारी दी। ताकि छात्राएं 112 का इस्तेमाल कर किसी भी विपरीत स्थिति में अपने आप को सुरक्षित रख सकते है। बाल संरक्षण अधिकार संरक्षण आयोग पंचकूला ने जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को उत्साहित किया। अन्य लोगों ने अपनी बाते आयोग के सामने राखी। आयोग की मेंबर सुमन राणा द्वारा छात्राओं को विशेष रूप से सावधान सतर्क एवं परामर्श के महत्व को बताया। स्कूल में आयोग द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई तथा विजेता छात्राओं को आयोग द्वारा सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र अग्रवाल व जिला बाल संरक्षण अधिकारी गरिमा तोमर द्वारा आयोग के मेम्बरों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी गरिमा तोमर ने स्टाफ से सरिता, मिश्रा, युद्धवीर, प्रवीण, बाल कल्याण समिति चेयरमैन श्रीपाल केहराणा डीएलएसए से रहीश खान व स्कूल प्रिंसिपल राजेंद्र अग्रवाल व अन्य सदस्य मौजूद थे।

गीता जयंती महोत्सव में स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से बांधा समा

Faridabad/Alive News

अंतर्राष्ट्रीय जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों मे भी कलाकारों ने समा बांधा। इनमें सरस्वती वंदना एनआईटी-5 की छात्राओं द्वारा की गई। जिस पर लोगों ने खूब तालियां बजाकर उनका हार्दिक स्वागत किया। एनआईटी -3 की छात्राओं ने कुरुक्षेत्र में गीता देखो भाई के गीतों पर का समा बांध कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रोफेसर राजकुमार तेवतिया की पार्टी ने व्रजभूमि पर आधारित लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तो कन्वेंशन हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।पब्लिक रिलेशन विभाग के लीडर भजन पार्टी धर्मवीर सिंह ने कृष्ण अर्जुन संवाद की प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। भिवानी के महेंद्र सिंह की टीम ने फोग डांस, विश्व स्तुति और छोरा मैं हरियाणे का की प्रस्तुति दी तो दर्शकों की सीटों से हाल गूंज उठा।वहीं चंडीगढ़ से आई सांस्कृतिक टीम द्वारा सात सुरों की अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव पर गीत ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

सीजेएम ने ओल्डेज होम का किया औचक निरीक्षण

Faridabad/Alive News

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संदीप गर्ग के दिशा निर्देशानुसार सुकीर्ति गोयल मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शनिवार ताऊ देवीलाल ओल्ड एज होम का दौरा कर औचक निरीक्षण किया। जहां निरीक्षण के दौरान आश्रम में कुल 65 बुजुर्ग पाए गए। जिनमें 23 महिलाएं 42 पुरुष बुजुर्ग थे। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुकीर्ति गोयल ने वहां रह रहे हर एक बुजुर्ग से रूबरू होते हुए उनका हालचाल खानपान व सेहत के बारे में बारिकी से जानकारी ली। ओल्ड एज होम का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां की सफाई व्यवस्था खानपान आदि के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ताऊ देवी लाल ओल्ड एज होम के मैनेजर कृष्ण लाल बजाज ने कहा कि यहां पर बुजुर्ग जो रह रहे हैं इनको बुढ़ापा पेंशन भी मिल रही है। उनके सीनियर सिटीजन कार्ड भी बने हुए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य सबको अधिकार व सम्मान मिले। यही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का जन हितैषी योजनाओं और परियोजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करवा जाना ही मुख्य उद्देश्य है।

जीवा स्कूल में गायन प्रतियोगिता आयोजित

Faridabad/Alive News

रेडियो महारानी की ओर से सेक्टर 21 जीवा पब्लिक स्कूल में आयोजित गायन प्रतियोगिता स्टार वॉइस-3 में दिल्ली एनसीआर से आए बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तो बुजुर्ग भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने भी अपना जोश दिखाया। समारोह के मुख्य अतिथि सूफी गायक शमशेर लेहरी और बीरेंदर ढिल्लों ने जब सुर लगाया तो हर कोई झूमने पर मजबूर हो गया। कार्यक्रम में जीवा ग्रुप के प्रबंध निदेशक ऋषिपाल चौहान बतौर विशेष अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत सी. दास ग्रुप व रेडियो महारानी के निदेशक विपिन भाटिया और मुकेश भाटिया ने किया। गायन प्रतियोगिता में सूफी गायक शमशेर लेहरी और बीरेंदर ढिल्लों ने अपना हाल ही में रिलीज़ हुआ गाना मना मेरेया कर फैसला कमला हैं या सयाणा, ओस माल दे कोठे भरदाया है जैड़ा छड़ के जाणा गाना गाया तो हर कोई झूमने पर मजबूर हो गया। दर्शकों ने खड़े होकर जोरदार तालियों के साथ दोनों को जोरदार स्वागत किया। गायन प्रतियोगिता पांच आयु वर्ग में आयोजित की गई, जिसमें 5 से 12, 13 से 19, 20 से 30, 31 से 50 व 51 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सतेंदर वर्मा, करिश्मा अग्रवाल और पंडित आरसी शर्मा ने जज की भूमिका निभाई। विजेताओं को शमशेर लेहरी और बीरेंदर ढिल्लों सहित जीवा ग्रुप के प्रबंध निदेशक ऋषिपाल चौहान व सी. दास ग्रुप के निदेशक विपिन भाटिया और मुकेश भाटिया ने सम्मानित किया

प्राइमरी स्कूल के विद्यार्थियों को बैड टच और 112 के बारे में किया जागरूक

Faridabad/Alive News

इंस्पेक्टर माया ने प्राइमरी स्कूल अजरौंदा में बैड टच,112 ऐप व सुरक्षा के संबंध में जानकारी देकर बच्चो को जागरूक किया है। बैड टच -सीनियर सिटीजन सेल प्रभारी इंस्पेक्टर माया ने विद्यार्थियों को बैड टच के बारे बताया कि यदि कोई भी व्यक्ति ने गलत तरीके से स्पर्श करने की कोशिश करता है तो उसके बारे में अपने परिजनों को बताएं क्योंकि यदि वह इसका विरोध नहीं करेंगे वह फिर से उनके साथ गलत हरकत करने की कोशिश करेगा। उन्होंने बताया कि पहले इस बात के बारे में बहुत कम जानकारी होती थी कि बैड टच क्या होता है परंतु आजकल इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों को इसकी जानकारी दी जा रही है इसलिए यदि कोई भी व्यक्ति उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है तो चुप रहकर इसे सहन करने की कोशिश ना करें क्योंकि यह आगे चलकर उनके शोषण का कारण बन सकता है। सुरक्षा-उन्होंने बच्चों को बताया कि अगर आप घर से बाहर खेलने के लिए जाते है तो अपने घर के किसी सदस्य को साथ लेकर ही घर से जाए। अकेले कहीं बाहर नहीं जाए। इसके साथ बच्चों को डायल 112 ऐप के संबंध में भी समझाया कि डायल 112 ऐप पर आप अपनी लोकेशन डाल सकते है। अगर आपके साथ कोई वारदात होती है तो इससे लोकेशन भेजने पर पुलिस आपके पास पहुंच जाती है। इस के अलावा 112 पर कॉल कर अपराध के संबंध में सूचना दी जाती है। सूचना देने के बाद पुलिस टीम आपके पास 5-10 मिनट में पहुंच जाती है।

सीएम अनाउंसमेंट के विकास कार्य अधिकारी निर्धारित समय में पूरा करें : एडीसी

Faridabad/Alive News

संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं का त्वरित लाभ आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित विकास परियोजनाओं को लेकर हर समय अपडेट रहें। सरकार और प्रशासन का प्रयास है कि अंतिम छोर पर बैठे पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिले। एडीसी आनंद शर्मा ने सोमवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में पंचायती राज, खेल विभाग, पीडब्ल्यूडी बी एण्ड आर, शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग सहित अन्य कई विभागों के मुख्यमंत्री घोषणा के विकास कार्यों की एक एक करके विभागवार समीक्षा की। एडीसी आनंद शर्मा ने समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा विकास कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए ताकि विकास कार्य प्रभावी रूप से हो सकें। जिस भी विकास परियोजना पर कार्य शुरू हो उस कार्य पर पूरी नजर रखें ताकि विकास कार्य अच्छी तरह से हो सकें। आमजन को विकास परियोजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को चाहिए कि वो विकास योजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरा करना सुनिश्चित करें।

पेगासस खरीद मामले में सदन में सही जानकारी नही दी जा रही है : विधायक

Faridabad/Alive News

विधानसभा सत्र में एनआईटी क्षेत्र से कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने अतारांकित प्रश्न संख्या 46 में सरकार से पूछा कि क्या यह तथ्य है कि वर्ष 2018 में आईपीएस अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल इज़रमइल दौरे पर गया था तथा क्या अधिकारियों के द्धारा उक्त दौरे की कोई रिपोर्ट तैयार की गई है यदि हां तो उसका ब्यौरा किया है जिसपर सरकार की तरफ से गृह मंत्री ने सदन में जवाब देते हुए बताया कि हां श्रीमान जी, एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था यह रिपोर्ट हरियाणा पुलिस की कानून व्यवस्था, अपराध, सुरक्षा, और खुफिया कार्यो की प्रभावशीलता में सुधार के लिए सभांवित उपायों से संबधित है और राज्य की सुरक्षा और कानून और व्यवस्था के परिद्धश्य में और सुधार के लिए हरियाणा में पेश की जा सकने वाली नवीनतम तकनीकों की उपलब्धता पर भी विचार करती है।

विधायक नीरज शर्मा का जवाब पर कहना था कि इससे पहले जब मेरे द्वारा दिसम्बर 2022 में अतारांकित प्रश्न 05 में सरकार से पूछा था कि क्या क्या वर्ष 2018 में आईपीएस अधिकारियों के समूह के इजरायल दौरे का क्या उद्देश्य था तथा खुफिया एजेंसी मौसाद से मिला था या नहीं। जिस पर सदन में कहा गया था कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 13 व्यक्तियों के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा को पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में पेश करने और धन जुटाने के साधनों की खोज के लिए 6 मई 2018 को इजरायल का दौरा किया था।

विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि दोनों प्रश्नों के जवाब से स्पष्ट है कि सदन को गुमराह किया जा रहा है क्योकि पहले प्रश्न में कहा गया कि निवेश के उद्देश्य से गया था और अब कहा जा रहा है कि हरियाणा पुलिस की कानून व्यवस्था, अपराध, सुरक्षा, और खुफिया कार्यो की प्रभावशीलता में सुधार के लिए। दोनो में अंतर स्पष्ट है। इससे पहले जब मेरे द्वारा सरकार से प्रश्न किया गया था तो उसपर सरकार ने मेरे सवाल का जवाब ही नही दिया था कि खुफिया एजेंसी मौसाद से मिला था या नही। लेकिन अब सरकार के जवाब से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार का प्रतिनिधिमंडल खुफिया एजेंसी मौसाद से मिला था लेकिन सरकार इसके बारे हरियाणा के लोगों को बताना नहीं चाह रही है। इसके पीछे सरकार कि क्या मंशा है पता नही।

निजी क्षेत्र में नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण के संबंध वर्ष 2021 के मामले सीडब्ल्यू 26573 के लिए माननीय सुनवाई की संख्या कितनी है और कितनी सुनवाई में उच्च न्यायालय में महाधिवक्ता बलदेव राज महाजन ने सरकार की तरफ से उपस्थित होकर पक्ष रखा। सदन में मुख्यमंत्री जी के तरफ से जवाब दिया गया कि प्राइवेट सेक्टर में नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाली सिविल रिट याचिका संख्या 26573 ऑफ 2021 और अन्य आठ संबद्ध मामलों के लिए माननीय उच्च न्यायालय में सुनवाई की कुल संख्या 30 है। जिसमें श्री बलदेव राज महाजन, महाधिवक्ता हरियाणा रोक के आदेश के विरुद्ध प्रथम सुनवाई पर मामले में उपस्थित हुए और उसके बाद, तुषार महे ता, सॉलिसिटर-जनरल रोक मामले के विरुद्ध उच्च न्यायालय में एक सुनवाई पर उपस्थित हुए और उसके बाद, श्री जगबीर मलिक, अपर महाधिवक्ता के साथ पुनीत बाली, वरिष्ठ अधिवक्ता, मामले में हरियाणा राज्य के लिए अधिनियम का बचाव करने हेतु 26 सुनवाईयों पर उपस्थित हुए और श्री जगबीर मलिक, अपर महाधिवक्ता दो सुनवाईयों पर उपस्थित हुए थे

विधायक नीरज शर्मा ने सवाल के मामले पर सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक तरफ तो सरकार 75 प्रतिशत नौकरियों में आरक्षण देने की बात करती है और दूसरी तरफ के लोग की इस योजना का विरोध करते है और कितनी गैर जिम्मेदाराना हरकत है कि इतने महत्वपूर्ण मामले में सिर्फ एक बार उपस्थित हुए। सरकार को हर तारीख में महाधिवक्ता को माननीय न्यायालय में उपस्थित होना चाहिए था ताकि मजबूती से सरकार की तरफ से पक्ष रखा जाता और हरियाणा के युवाओं को हक दिलाया जाता।

ध्यानाकर्षण सूचना संख्या-15 राज्य में नवम्बर 2023 में जहरीली नकली शराब के पीने के कारण यमुनानगर तथा अम्बाला जिले में 22 व्यक्तियों की मौत के मामले में बोलते हुए विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि यह मामला वर्ष 2022/2023 में आया। लेकिन सरकार इसपर सदन में बताए कि जहरीली शराब बन कहा से रही है और अपदा को अवसर बना कौन रहा है। सरकार ने जो कमेटी बनाई थी उसने यह सिफारिश की थी कि डिसलेरिज की जांच की जाए अगर की गई तो वो जांच रोकी किसने और जांच क्यो नही की। सरकार में सिर्फ जांच के नाम पर सिर्फ इंक्वायरी/इंक्वायरी करती रहती है। सदन में गृह मंत्री ने विधायक नीरज शर्मा के सवाल का कोई जवाब नहीं दिया।

कांग्रेसी नेता ने जागरण में पहुंच कर लिया माता का आशीर्वाद

Faridabad/Alive News

हिन्दू धर्म में हमारे महापुरुषों एवं ऋषियों ने ऐसे प्रावधान एवं नियम बनाएं हैं कि हम हमेशा प्रभु का सिमरण करते रहें। प्रभु सिमरण से ही आज हमें मनुष्य का जीवन मिला है और हम धर्म को जान सकते हैं और असल सत्य को भी जान सकते हैं। कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह ने एसआईटी स्थित कल्याणपुरी चौक पर आयोजित माता के जागरण में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। टी पी स्वामी जोकि स्वयं विकलांग हैं, लेकिन प्रभु का सिमरण हमेशा करते रहते हैं के द्वारा मां भगवती के जागरण का आयोजन करवाया गया था। लगातार 25 वर्षों से मां भगवती के जागरण का आयोजन करवाते आ रहे हैं। विजय प्रताप ने माता के चरणों में आशीर्वाद लिया। मां की ज्योति प्रज्ज्वलित करते हुए विजय प्रताप ने कहा कि मां के आंचल में आने के बाद हर व्यक्ति सभी दुखों से दूर हो जाता है। जो व्यक्ति सच्चे मन से मां के दरबार में आता है, उसका बेड़ा पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि यदि हम सच्चे मन से मां की पूजा करें तो मां हमें इस भवसागर से पार ले जा सकता है। हमेशा दूसरों की भलाई के लिए प्रयास करने चाहिए। जागरण में आए कलाकारों ने माता के सुंदर-सुंदर भजन गाकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जागरण में माता का

अलौकिक शृंगार, पंच मेवे का प्रसाद, फूलों की होली, इत्र वर्षा के कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। रात भर मां की भेंटों पर श्रद्धालु झूमते रहे। मां भगवती के जागरण में विजय प्रताप के साथ निवर्तमान पार्षद राकेश भड़ाना, रामप्रकाश आहूजा, अक्षय नोनिहाल, इशांत कथूरिया ,कुलवंत सिंह, विरेन्द्र सिंह, नितिन भाटिया, बलविंदर सिंह, सोनू खत्री, अमनदीप सिंह, बलजीत सचदेवा एवं भारत कपूर आदि ने शिरकत की।

एडीसी ने की मोबाइल कैंटीन की शुरुआत

Faridabad/Alive News

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गयी अन्त्योदय आहार योजना के तहत भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा सस्ती दरों पर श्रमिकों को भोजन उपलब्ध करवाने के लिए हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला सहायता समूह के सहयोग से फरीदाबाद में तीन स्थाई कैंटीन चलाई जा रही है।

इसी श्रृंखला में मंगलवार को जिला के विभिन्न लेबर चौक पर श्रमिकों को सस्ता एवं अच्छा आहार उपलब्ध करवाने के लिए एडीसी डॉ. आनंद शर्मा ने सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय से मोबाईल कैंटीन का शुभारंभ किया। इस मोबाइल कैंटीन के माध्यम से श्रमिकों को सस्ती दरों पर जिसकी एक थाली की कीमत 10 रूपये होगी, में भोजन उपलब्ध हो सके। इस थाली में दाल, चावल, चार रोटी, सब्जी, गुड मिलेगा।

अतिरिक्त उपायुक्त शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशानुसार गरीब लोगों व श्रमिकों को सस्ते दर पर भोजन उपलब्ध करवाने के लिए महिला समूहों के माध्यम से यह कार्य किया जा रहा है। भविष्य में आवश्यकता के आधार पर ऐसे और भी कैन्टीन खोलने की योजना है। इस मोबाइल कैन्टीन में साफ-सफाई और गुणवत्ता का ख़ास ध्यान रखा जाएगा। इनकी सफाई व

स्वच्छता स्वंय सहायता समूह द्वारा की जाएगी। इस कैंटीन में गैस बर्नर, चिमनी, फ्रीज, पीने के पानी सहित सभी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें पूरे पारदर्शी तरीके से बिलिंग की जाएगी। उप निदेशक रविन्द्र सिंह मलिक, सहायक निदेशक दीपक, प्रफुल्ल बैनीवाल व स्वंय सहायता समूह के जिला कार्यकम अधिकारी शिवम तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राधा स्वामी सत्संग में पहुंचे हरियाणा के राज्यपाल, बाबा गुरिंदर सिंह से की मुलाकात

Faridabad/Alive News

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने डेरा राधा स्वामी ब्यास सत्संग में जाकर गुरु जी महाराज बाबा गुरिंदर सिंह से बेहद सौहार्दपूर्ण गरिमा पूर्ण वातावरण में मुलाकात की तथा उन्होंने इस विशाल धार्मिक संगठन और इस अद्भुत सत्संग की उत्पत्ति के बारे में बात की। यह एक बहुत अच्छा और विशाल आध्यात्मिक संगठन हैद्य उन्होंने कहा कि मेरा यह विश्वास कि 'ईश्वर हमारे भीतर है' और 'मानव जाति की सेवा ही ईश्वर की सेवा है'द्य संगठन द्वारा प्रचारित की जाने वाली कुछ प्रमुख मान्यताएं हैं। ईश्वर हमारे भीतर है और उस तक पहुंचने के लिए हमें खुद को बदलना होगा और अपने भीतर जाना होगा सुनकर बेहद अच्छा लगा उहोंने कहा मैं विश्व के विभिन्न भागों से लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं, को सत्संग में भाग लेते देखकर बहुत खुश और आश्चर्यचकित हूं। आज सत्संग में तीन लाख से अधिक लोग शामिल हो

रहे हैं, जिन्हें बिना किसी शुल्क के लंगर परोसा जाता है। पांच लाख से अधिक लोगों को खाना पकाने और गर्म भोजन परोसने में उपयोग किए जाने वाले स्वचालन और प्रौद्योगिकी का स्तर प्रभावशाली है और लोगों का आत्म-अनुशासन और सेवादारों की निस्वार्थ सेवा अधिक प्रभावशाली है। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि संगठन में कोई कर्मचारी नहीं है।

सभी क्षेत्रों के सेवादार ही यहां सेवा प्रदान कर रहे हैं। ये निस्वार्थ सेवादार जिनमें अधिकतर महिलाएं शामिल हैं, पांच लाख से अधिक लोगों को भोजन तैयार करने और परोसने में मदद कर रहे हैं, यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसे देखकर और जानकर मुझे बेहद खुशी हुई है जिसकी मैं अंतरात्मा से प्रशंसा करता हूं द्य इससे समाज को यह संदेश जाता है कि हमें बुनियादी जरूरतें मुहैया कराने के लिए दूसरे लोगों को काम करने की जरूरत नहीं है। स्वस्थ समाज बनाने के लिए लोगों को स्वयं काम करना चाहिए और एक-दूसरे की सेवा करनी चाहिए।

यह बड़े गर्व की बात है कि बाबा गुरिंदर सिंह देश और दुनिया भर में फैले सत्संग घरों वाले इतने बड़े संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन वह फिर भी एक साधारण व्यक्ति हैं। दुनिया में हर समय और स्थान के संतों के संदेश को फैलाने के लिए उनकी निस्वार्थ सेवा और उत्साह वास्तव में सराहनीय है।उन्होंने कहा कि यह बाबाजी जैसी महान आत्माओं और उनके दया, प्रेम और निस्वार्थता के संदेश के कारण है, दुनिया में अच्छाई और खुशी है। बाबाजी, उनकी टीम और सभी सेवादारों को मेरी हार्दिक बधाई।

छह विशेष बच्चों को संरक्षक का आवेदन मंजूर : डीसी

Faridabad/Alive News

राष्ट्रीय ट्रस्ट संरक्षकता अधिनियम के अनुपालन में उपायुक्त विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को स्थानीय स्तरीय समिति की बैठक बुलाई गई। बैठक में ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और एकाधिक विकलांगता वाले व्यक्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों को विचार-विमर्श किया गया। मीटिंग में छह दिव्यांगों को संरक्षक के लिए आवेदनों को मंजूरी दी गई। मीटिंग में निर्देश देते हुए उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय ट्रस्ट संरक्षता अधिनियम के तहत मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को गार्जियनशिप (संरक्षक) सर्टिफिकेट दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इन विशेष जरूरत वाले बच्चों को कई बार जीवन में कानूनी निर्णय लेने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नेशनल ट्रस्ट ने नियुक्त प्रतिनिधियों के माध्यम से उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए तंत्र स्थापित किया है। ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और बहु-विकलांगता वाले व्यक्तियों को अपने हितों की रक्षा करने और उनकी निरंतर भलाई सुनिश्चित करने के लिए कानूनी मामलों में निरंतर समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। बैठक में जिला कल्याण अधिकारी सरफराज खान, जिला रेडक्रॉस सचिव बिजेंद्र सरोत, बीके हॉस्पिटल से डॉ. नेहरा एवं डॉ. रेनू बाली सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

दुर्गा शक्ति की टीम ने महिला विरुद्ध अपराध के बारे में किया जागरूक

Faridabad/Alive News

दुर्गा शक्ति पीसीआर 6 की टीम ईएचसी वेदपाल, सिपाई नरेंद्र व महिला सिपाही महिमा ने सेक्टर 65 में स्थित थारु राम गर्ल्स स्कूल में छात्राओं को बेड टच, सेल्फ डिफेंस और महिला विरुद्ध अपराध के संबंध में जागरूक किया है।

महिला विरुद्ध अपराध

पुलिस टीम ने महिला विरुद्ध अपराध व डायल 112 ऐप के बारे में जागरूक करते हुए स्कूल में पढ़ रहे छात्राओं को विद्यार्थियों को बैड टच के बारे बताया कि यदि कोई भी व्यक्ति ने गलत तरीके से स्पर्श करने की कोशिश करता है तो उसके बारे में अपने परिजनों को बताएं क्योंकि यदि वह इसका विरोध नहीं करेंगे वह फिर से उनके साथ गलत हरकत करने की कोशिश करेगा। उन्होंने बताया कि पहले इस बात के बारे में बहुत कम जानकारी होती थी कि बैड टच क्या होता है परंतु आजकल इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों को इसकी जानकारी दी जा रही है इसलिए यदि कोई भी व्यक्ति उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है तो चुप रहकर इसे सहन करने की कोशिश ना करें क्योंकि यह आगे चलकर उनके शोषण का कारण बन सकता है। अगर कोई व्यक्ति आप का पीछा करता है, कमेंट पास करता है या अन्य किसी और तरीके से परेशान करता है तो इसकी सूचना डायल 112 पर दे।

साइबर फ्रॉड-पुलिस टीम के द्वारा बताया लैप्स बीमा पॉलिसी का फुल रिटर्न दिलाने के नाम पर,कुछ मिनट में ही लोन देने के लिए, घर बैठे लोन उपलब्ध करवाने का लालच देती हैं और फर्जी ऐप डाउनलोड करता दे, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर, घर बैठे कमाने का लालच, फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगना के नाम पर,वाउचर जीतने के नाम पर,चयुष्ट के नाम पर, बैंक कर्मी बनकर, विदेश भेजने के नाम पर,जॉब दिलाने के नाम पर,अश्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड से ब्लैकमेल कर,एईपीएस इत्यादि के नाम पर लोगों के साथ साइबर फ्रॉड किया जाता है। बचाव में किसी भी विदेशी नम्बर से कॉल आए तो नजरअंदाज करे। व्हाट्सएप पर अनजान नम्बर से विडियो कॉल/कॉल आने पर नजरअंदाज करें। किसी की बहकावे में ना आए क्योकि यूट्यूब चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करने पर पैसे नहीं मिलते। हमें इस तरह के किसी भी झांसे में नही आना है और इस तरह की कोई भी कॉल आती है तो कॉल को डिस्कनेक्ट कर देनी चाहिए। अगर आपके साथ कोई फ्रॉड होता है तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करे।

सीवर का पानी पीने को मजबूर एनआईटी के लोग, जोरदार प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में सीवर के पानी में गिरकर कई लोगों की मृत्यु के बाद भी फरीदाबाद नगर निगम सोया हुआ है और स्थानीय विधायक नौटंकी करने में व्यस्त हैं जिसका खामियाजा क्षेत्र की जनता भुगत रही है । यह कहना है आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य धर्मवीर भड़ाना का जिन्होंने स्थानीय लोगों और पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ जवाहर कॉलोनी में मुख्य सड़क पर कई महीने से खुले सीवर के ढक्कन के सामने बैठकर प्रदर्शन करते हुए व्यक्त किया।

धर्मवीर भड़ाना ने कहा कि स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि मुख्य सड़क पर खुले इस सीवर होल मैं गिरकर कई दर्जन लोग घायल हो गए हैं। कई लोगों के हाथ पांव टूट चुके हैं लेकिन नगर निगम फरीदाबाद और क्षेत्र के विधायक अब भी सोए हुए हैं । उन्होंने कहा कि आसानी विधायक नौटंकी बाज हैं और अमेरिका में जाकर राम कथा करते हैं लेकिन अपने क्षेत्र की जनता की समस्या उन्हें दिखाई नहीं पड़ती । उन्होंने कहा कि यही सीवर का पानी लोगों के घरों में जा रहा है और जहरीला पानी पीने के लिए लोग मजबूर हैं ।

धर्मवीर भड़ाना ने नगर निगम को चेतावनी देते हुए कहा कि स्थानीय लोगों की यह समस्या अगर 15 दिन के अंदर दूर नहीं की जाती तो नगर निगम मुख्यालय पर ताला जड़ा जाएगा और अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा । उन्होंने कहा कि यहां के निवासी भी टैक्स देते हैं

और उन्हें भी मूलभूत सुविधाओं का हक है लेकिन मिल नहीं रहा है । उन्होंने कहा कि यहां के पूर्व विधायक भी नौटंकी करने में व्यस्त रहते हैं । इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता नरेश शर्मा, भीम यादव, हरजिंदर सिंह मेहंदी रत्ता, सुभाष बघेल, राम गौर, सन्नी सरदार, सचिन चौधरी, अमित कुमार, सुदेश राणा, सत्येंद्र शर्मा सहित सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद थे ।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

लेबर कोर्ट परिसर में हुई मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार श्रम विभाग के सहायक निदेशक डॉ. हरेंद्र मान ने लेबर कोर्ट परिसर में धूल मे काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच करी व उनको सिलिकॉसिस बीमारी से बचने के उपाय बताये। प्रमुख सचिव राजीव रंजन व श्रम आयुक्त और मनीराम शर्मा की हिदायतो अनुसार ज्यादा से ज्यादा मजदूरो की स्क्रीनिंग कर बीमारी को प्राथमिक अवस्था मे ही पता लगाकर उन्हें योजनाओं का लाभ व समय पर इलाज करवाना है। जहां उन्होंने बताया कि सिलिकोसिस एक लाइलाज बीमारी है, पर रोकने योग्य है, धूल मे पानी का छिड़काव व मास्क पहन कर इस से बचा जा सकता है, केवल छाती के एक्सरे करने पर ही बीमारी का पता लगाया जा सकता है। जो मजदूर पत्थर की धूल में काम करते हैं। उन्हें 2 साल में एक बार छाती का एक्स-रे जरूर करवाना चाहिए। ताकि इस बीमारी का पता समय पर लगाया जा सके। बीमारी की पुष्टि होने पर श्रम विभाग की ओर से 5 लाख की आर्थिक सहायता दी जाती है। अभी तक लगभग 550 मजदूरों को यह सहायता दी जा चुकी है। श्रम विभाग के मुख्य सचिव राजीव रंजन आईएएस व लेबर कमिश्नर मनीराम शर्मा के निर्देशानुसार विभाग द्वारा ज्यादा से ज्यादा औद्योगिक श्रमिकों स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। लेबर डिपार्मेंट के सहायक निदेशक औद्योगिक स्वास्थ्य कम सर्टिफाइंग सर्जन डॉक्टर हरेंद्र मान व डॉ बलजीत सिंह ने फरीदाबाद में सेक्टर- 12 लेबर कोर्ट परिसर मे कैंप लगाया जिसमें धूल में काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच करी व मजदूरों को व्यावसायिक बीमारियों से बचाव रखने के उपाए भी बताएं और विभाग की योजनाओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जो मजदूर धूल में काम करते हैं (निर्माण स्थल, भट्टा, ढलाई, मार्बल कटिंग, मंदिर निर्माण इत्यादि) वह मजदूर अपनी छाती का एक्स-रे व उद्योग में कार्य करने का प्रमाण कमरा नम्बर 200 दूसरी मंजिल लेबर कोर्ट कॉम्प्लेक्स सेक्टर- 12 में जमा कर सकते है।

मानव संस्कार स्कूल में तुलसी पूजन दिवस मनाया गया

Faridabad/Alive News

धीरज नगर पल्ला के मानव संस्कार पब्लिक स्कूल में सोमवार को तुलसी पूजन दिवस का मनाया गया। इस मौके पर छात्रों ने स्कूल प्रांगण को तुलसी के पौधो से सजाया और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रमुख योगेश शर्मा ने बताया कि इस दिन तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस पवित्र पौधे को घर के अंदर लगा या जाता है और विधि-विधान से इसकी पूजा की जाती है। कई लोग अपने दिन की शुरुआत तुलसी को जल चढ़ा कर और दीपक जला कर करते हैं। योगेश शर्मा ने छात्रों से धार्मिक अद्यतन की महत्वपूर्णता पर बातचीत की। साथ ही तुलसी के महत्व पर प्रकाश डालकर छात्रों के आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ाया। उन्होंने कहा कि तुलसी हमारी संस्कृति और परंपराओं के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

डीएवी स्कूल में अपराध व नशे के दुष्परिणाम को लेकर किया जागरुक

Faridabad/Alive News

एनआईटी महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सविता तथा दुर्गा शक्ति की टीम ने डीएवी स्कूल सेक्टर-49 में विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट, साइबर फ्रॉड तथा महिला व बाल अपराध के बारे में जागरूक किया।

महिला विरुद्ध अपराध

महिला थाना एनआईटी प्रभारी ने महिला विरुद्ध अपराध व डायल 112 ऐप के बारे में जागरूक करते हुए स्कूल में पढ़ रहे विद्यार्थियों को बैड टच के बारे बताया कि यदि कोई भी व्यक्ति ने गलत तरीके से स्पर्श करने की कोशिश करता है तो उसके बारे में अपने परिजनों को बताएं क्योंकि यदि वह इसका विरोध नहीं करेंगे वह फिर से उनके साथ गलत हरकत करने की कोशिश करेगा। अगर कोई व्यक्ति आप का पिछा करता है, कमेंट पास करता है या अन्य किसी और तरिके से परेशन करता है तो इसकी सूचना डायल 112 पर दे।

साइबर फ्रॉड

पुलिस टीम के द्वारा बताया लैप्स बीमा पॉलिसि का फुल रिटर्न दिलाने के नाम पर,कुछ मिनट में ही लोन देने के लिए, घर बैठे लोन उपलब्ध करवाने का लालच देती हैं और फर्जी ऐप डाउनलोड करता दे, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढवाने के नाम पर, घर बैठे कमाने का लालच, फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगना के नाम पर,वाउचर जीतने के नाम पर,चक्ष्ब्ष्ट के नाम पर, बैंक कर्मी बनकर,

विदेश भेजने के नाम पर,जाब दिलाने के नाम पर,अश्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड से ब्लैकमेल कर,एईपीएस इत्यादी के नाम पर लोगो के साथ साइबर फ्रॉड किया जाता है। बचाव में किसी भी विदेशी नम्बर से कॉल आए तो नजरअंदाज करे। व्हाट्सएप पर अनजान नम्बर से विडियो कॉल/कॉल आने पर नजरअंदाज करें। किसी की बहकावे में ना आए क्योकि यूट्यूब चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करने पर पैसे नही मिलते। हमें इस तरह के किसी भी झांसे में नही आना है और इस तरह की कोई भी कॉल आती है तो कॉल को डिस्कनेक्ट कर देनी चाहिए। आगर आपके साथ कोई फ्रॉड होता है तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करे।

नशे के दुष्परिणाम

पुलिस टीम ने बताया नशे से होने वाली स्वास्थ्य व धन की हानि के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि नशे की बुरी लत से हमारे स्वास्थ के साथ साथ धन की हानि होती है। नशे से हजारों लाखों घर बर्वाद हो चुके है। नौजवान बच्चे शौक शौक में नशे की बुरी लत को पाल लेते हैं। बाद में नशे की पूर्ति के लिए क्राइम का सहारा लेते हैं जिसमें नौजवान चोरी, स्नैचिंग, लूट तथा अवैध हथियार के साथ वारदातों को अंजाम देते हैं जिसके कारण उनकी हंसती खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है। हमें नशे से शुरुआत में ही लड़ना चाहिए जिससे कि हम अपनी स्वास्थ्य व धन के साथ अपने परिवार की खुशियों को बचा सके। पुलिस टीम ने छात्रों व अध्यापकों के साथ नशा न करने की शपथ ली। साथ ही अगर उनके क्षेत्र में कोई नशा तस्करी,नशा बेचने संबंध में कार्य करता है तो पुलिस के टोल फ्री नंबर 9050891508 पर सूचना भी दे। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

डायनेस्टी स्कूल में वार्षिकोत्सव मनाया गया धूमधाम से

Faridabad/Alive News

डायनेस्टी इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव में डॉ आर. एस वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि डॉ आर. एस वर्मा के दीप प्रज्वलित करने और विद्यार्थियों की गणेश वंदना के माध्यम शुरूआत हुई। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी और अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में छोटा भीम को प्रासंगिकता के आधार पर प्रस्तुत किया गया। जिसमें ढोलकपुर के छोटे भीम के साथ नन्ही छुटकियों ने भी फैशन शो के माध्यम से रंगों की छटा बिखेरी और होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस आदि त्योहारों से सम्बंधित रंगारंग कार्यक्रमों का समावेश देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रधानाचार्य नितिन वर्मा ने मुख्य अतिथि डॉक्टर आर एस वर्मा को बालवृक्ष प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

जीवा स्कूल में बच्चों को सिखाए वस्तु को खरीदने एवं मोल भाव करने के तरीके

Faridabad/Alive News

सेक्टर 21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के कक्षा तीसरी के छात्रों के लिए एक अद्भुत एवं रचनात्मक गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों के लिए टक शॉप बनाया गया। जिसमें छात्रों ने खरीदारी की। इस गतिविधि में छात्रों के लिए गणित के कई विषयों को क्रियाकलाप के माध्यम से प्रस्तुत किया। बच्चों ने पुराने सिक्कों को चलाने के तरीके भी सीखें। इसके अलावा छात्रों ने बाज़ार में खरीदारी कैसे करनी चाहिए यह भी सीखा। बच्चे अक्सर स्टेशनरी, स्नैक्स, फ्रूट चाट इत्यादि की दुकान पर जाते हैं और सामान खरीदते हैं बच्चों को यहां उन चीजों को खरीदने एवं मोल भाव करने के तरीके भी सिखाए गए। इससे बच्चों में ऑब्स्रवेशनल मार्केटिंग और लॉजिकल स्किल्स विकसित हुई। इस सारे क्रियाकलाप में गणित के कठिन विषयों का समावेश किया गया था। इस प्रकार

की गतिविधियों से बच्चों को किसी भी तरह के कठिन विषयों को आसानी से सिखाया जा सकता है और वे विषय को कभी भी भूलते नहीं है। जीवा पब्लिक स्कूल में इस तरह से क्रिया कलाप करवाए जाते हैं जिससे बच्चों को विषयों को अच्छी तरह समझाया जा सके और उनका सर्वांगीण विकास किया जा सके। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने इस गतिविधि का अवलोकन किया और इस गतिविधि को विद्यालय के सिद्धांतों एस.ओ.ई.ए डी.के.एन.ए स्वाध्याय से जोड़ कर छात्रों को इसकी उपयोगिता के विषय में समझाया। उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान एवं एकेडमिक एंड एक्सीलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने इस कार्यक्रम का अवलोकन किया एवं सभी संयोजिकाओ तथा अध्यापिकाओं की प्रशंसा की।

डीएवी स्कूल सेक्टर-49 में स्कॉलर बैच समारोह आयोजित

Faridabad/Alive News

बुधवार को सैनिक कालोनी सेक्टर-49 के डीएवी पब्लिक स्कूल में स्कॉलर बैच समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भूमि इंटरनेशनल मथुरा के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं भारत के प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी सुरेंद्र कुमार उतरेजा और अभिभावकों के साथ अन्य गणमान्य लोगों का स्कूल के प्रधानाचार्य राजन गौतम ने स्वागत किया। साथ ही प्रधानाचार्य राजन गौतम ने स्कूल की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा तीसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। वहीं देश भक्ति

गीतों पर आधारित नृत्य ने सभी बच्चों, अभिभावकों और अतिथियों में देश के लिए जोश भर दिया। जिसके बाद प्रधानाचार्य व मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियां के लिए बैच व प्रमाण पत्र भेट कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि सुरेंद्र कुमार उतरेजा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ाने के लिए अपनी सोच को सकारात्मक रखकर लक्ष्य को निर्धारित करना चाहिए और काम को तपस्या समझ कर करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

ब्लू बर्ड स्कूल में हुआ साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

Faridabad/Alive News

एसजीएम नगर के ब्लू बर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। जिसमें कि 12वीं कक्षा के छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। साइंस एग्जीबिशन में बच्चों ने आधुनिक तकनीकी का उपयोग करते हुए वेस्ट मटेरियल से मॉडल तैयार किया जिनमें पावर एनर्जी प्लांट, सोलर एनर्जी प्लांट, एनवायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए मॉडल तैयार किए हैं।साथ ही बच्चों ने बच्चों ने एनवायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए बिजली बचाने, साफ सफाई एवं वेस्ट को कंज्यूम करने के लिए

अलग-अलग मॉडल तैयार किये।

मिली जानकारी के मुताबिक स्कूल की अध्यापक ने बताया कि हमारी क्लास के बच्चों ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर एनर्जी बढ़ाने और पेड़ पौधों को सुरक्षित रखने के लिए मॉडल तैयार किए। मॉडल तैयार करने के लिए बच्चों ने खराब यंत्रों का इस्तेमाल किया। साइंस एग्जीबिशन में मॉडल के माध्यम से प्रकृति के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।

अध्यापक का कहना है कि मुझे बच्चों का हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट मॉडल पसंद आया और इसके अलावा सोलर प्लांट का मॉडल जो बच्चों ने तैयार किया, वह एक संदेश दे रहा था कि आने वाले समय में जो एनर्जी पावर की दिक्कत होगी वह सोलर एनर्जी से खत्म की जा सकती है।एक मॉडल के माध्यम से बच्चों ने बताया कि कैसे सोलर एनर्जी को इलेक्ट्रिक एनर्जी में बदला जा सकता है।

स्कूल प्रधानाचार्य नलिनी मोहन ने बताया कि बच्चों ने मॉडल के बारे में अच्छे से बताया जिस से मुझे बहुत खुशी मिली।साइंस एग्जीबिशन से स्कूल बच्चों को अभी से समझा रहे हैं कि आगे वह इन पर काम करेंगे। साइंस एग्जीबिशन के माध्यम से बच्चों को हर क्षेत्र में जागरूक किया जा रहा है।

एनआईटी विधायक ने नारियल तोड़कर किया वार्ड-6 की मुख्य सड़क का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

एनआईटी विधायक नीरज शर्मा ने शुक्रवार को वार्ड-6 में नंगला रोड से हिमालय स्कूल टी प्वाइंट वाली सड़क का शुभारंभ किया। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि यह मुख्य सड़क है। इस सड़क पर सरकारी स्कूल एंव पानी का बूस्टर है। सड़क निर्माण न होने के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

सड़क का कार्य काफी समय से अधूरा पड़ा था तथा ठेकेदार द्वारा काम शुरू न करने के कारण वर्क आर्डर का टाइम समाप्त हो गया था। सड़क निर्माण ना होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, इसलिए लोगों की मांग को देखते हुए नगर निगम आयुक्त से बात करके ठेकेदार को कार्य करने की अनुमति दिलाई गई ताकि सड़क का निर्माण हो सके और लोगों को इसका लाभ मिल सके। विधायक नीरज शर्मा ने वार्ड-6 के निवासी एवं समाजसेवी रतनपाल चौहान के हाथ से नारियल तुड़वाकर सड़क का पुन निर्माण शुरू करवाया। इस मौके पर नगर निगम के पूर्व महापौर मुकेश शर्मा, कनिष्ठ अभियंता दिनेश, राममेहर चौधरी, रामसिंह यादव, सुभाष शर्मा, दमोदर शर्मा, विनोद पडिंत, दुष्यंत शर्मा, सतबीर, श्रीनिवास, शौकत, मांगल सैन मामा, हरगोबिंद, कैलाश, ओमप्रकाश ठाकुर, मनोज लाला, वर्मा, लक्ष्मी नारायण लाला एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आशीर्वाद स्कूल में वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन

Faridabad/Alive News

एसजीएम नगर के आशीर्वाद पब्लिक हाई स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली एवं स्वावलम्बन ट्रस्ट की संस्थापिका मेघना श्रीवास्तव मौजूद रहे। वार्षिक खेल उत्सव के दौरान स्कूल में लांग जंप, हाई जंप, रेस सहित कई एथलेटिक्स गेम्स का आयोजन किया गया, इन गेम्स में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। खेल समारोह के बाद अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए सेक्टर-21डी चोकी से ओमप्रकाश देशवाल, स्कूल की चेयरपर्सन साध्वी श्रीदेवी, डारेक्टर अंशु सिंह भी उपस्थित रहे। स्कूल की प्रधानाचार्य रजनीबाला ने बताया कि बच्चों का पढ़ाई के साथ-साथ खेलना भी बेहद जरूरी है। साथ ही विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में इसी तरह खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448